जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 92 प्रभात बीकानेर, मंगलवार 22 अक्टूबर, 2024 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

कांग्रेस महाराष्ट्र में 110 सीट, झारखंड में 29 सीटों पर चुनाव लड़ेगी!

कांग्रेस मुख्यालय में चुनाव समिति की बैठक, जिसमें राहुल गांधी, सोनिया गांधी व खड़गे ने भी भाग लिया, में यह निर्णय लिया गया, जिसकी विधिवत् घोषणा कल होगी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। कल मुम्बई में होने जा रही महाराष्ट्र विकास अघाड़ी के गठबंधन पार्टनरों की एक मीटिंग में महाराष्ट्र के सीट-शेयरिंग फॉर्मूले को अंतिम रूप दे दिया जायेगा। ऐसी संभावना है कि कांग्रेस अपने मित्र दलों- शिव सेना एवं एन.सी.पी. के साथ 110 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

इस संबंध में अधिकृत घोषणा कल शाम को मुम्बई में कर दी जायेगी तथा कांग्रेस की 50-55 उम्मीदवारों की पहली सूची 23 अक्टूबर को घोषित कर दी जायेगी।

आज शाम के समय ए.आई.सी.सी. मुख्यालय पर सैन्ट्रल इलैक्शन कमेटी (सी.ई.सी.) की मीटिंग हुई। इस मीटिंग में सी.ई.सी. के सदस्यों के साथ राहुल गांधी, सोनिया गांधी तथा मल्लिकार्जुन खड़गे भी मौजूद थे।

सी.ई.सी. ने झारखंड के लिये प्रत्याशियों के बारे में भी चर्चा की। ऐसी आशा की जा रही है कि झारखंड विधानसभा की 81 सीटों में से करीब 29 सीटों पर कांग्रेस चुनाव लड़ेगी। जे.एम.एम. (झारखंड मुक्ति मोर्चा) के 43 सीटों पर चुनाव लड़ने की संभावना है। झारखंड में, कांग्रेस का गठबंधन झारखंड मुक्ति मोर्चा (जे.एम.एम.) तथा आर.जे.डी. के साथ है। इस समय राज्य में यह गठबंधन ही सत्ता में है।

- कांग्रेस, यू.पी. में नौ सीटों पर होने वाले बाई-इलैक्शन में भाग नहीं लेगी।
- समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस को दो सीटें आवंटित करने की बात चलाई थी, पर, कांग्रेस ने यह प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया और समर्थन देने का निर्णय लिया। कांग्रेस का मानना है कि जो दो सीटें कांग्रेस को ऑफर हुई हैं, दोनों "हारी" हुई सीटें मानी जाती हैं।
- वैसे भी कांग्रेस के प्रति इंडिया गठबंधन के घटकों का रवैया काफी सख्त है, कांग्रेस के हरियाणा में चुनाव हारने के बाद। जैसा कि विदित ही है, हरियाणा के स्थानीय नेताओं के दबाव में कांग्रेस ने सहयोगी दलों को हरियाणा में एक भी सीट देने से इंकार कर दिया था। कांग्रेस के इस रवैये से क्षुब्ध सहयोगी दल, विशेषकर आप व सपा, कांग्रेस के प्रति उदार दृष्टिकोण रखने को तैयार नहीं हैं।

कांग्रेस संभवत: उत्तर प्रदेश में उपचुनाव नहीं लड़ेगी क्योंकि समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस को उपचुनावों वाली 9 सीटों में से केवल दो सीटें दी हैं।

कांग्रेस इन दोनों सीटों को हारने वाली सीटें मान रही है तथ इन सीटों पर वह अपना समर्थन समाजवादी पार्टी को देगी। जहाँ तक कांग्रेस के मित्र दलों का संबंध है, हरियाणा में मिली हार के बाद, ये दल कांग्रेस को कुछ ज्यादा ही कमजोर असुरक्षित मानने लगे हैं।

समाजवादी पार्टी हरियाणा में कुछ सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती थी, लेकिन स्थानीय इकाई ने इसके लिये मना कर दिया था, कांग्रेस ने वहाँ अकेले ही चुनाव लड़ा था तथा समाजवादी पार्टी तथा आम आदमी पार्टी में से किसी को कोई सीट नहीं दी थी।

प्रियंका गांधी 23 अक्टूबर को वायनाड सीट से लोकसभा उपचुनाव के लिये नामांकन पत्र दाखिल करेंगी। यह सीट राहुल गांधी ने खाली की है। प्रियंका गांधी के नामांकन पत्र भरते समय, राहुल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एस.आई. भर्ती-2021 पेपर लीक केस, एक और आरोपी को जमानत

जयपुर, 21 अक्टूबर (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सब इंस्पैक्टर परीक्षा-2021 पेपर लीक मामले में एक और आरोपी को जमानत दे दी। न्यायाधीश गणेश राम मीणा की अदालत ने ये आदेश संजय कुमार द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिये।

इस मामले में याचिकाकर्ता व अन्य 18 आरोपियों ने मामले पर जमानत याचिका दायर की थी। परंतु अदालत ने इन सभी मामलों पर सुनवाई 23 अक्टूबर को तय की है। इन मामलों में याचिकाकर्ताओं की ओर से गलत तरीके से गिरफ्तार किये जाने व पेपर लीक से जुड़े प्रकरण में भागीदार न होने जैसे कई तर्क अदालत के समक्ष प्रस्तुत किये हैं, जिन पर अदालत संयुक्त रुप से 23 तारीख को सुनवाई करेगी। गत सुनवाई के दौरान, वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक बाजवा, अधिवक्ता एस.एस.हूरा और उनके सहायक अधिवक्ता वेदांत शर्मा

- राजस्थान हाई कोर्ट ने यह आदेश आरोपी संजय कुमार की याचिका पर दिए। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि उन्हें गलत तरीके से आरोपी बनाकर गिरफ्तार किया गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रियंका 23 अक्टूबर को वायनाड सीट के लिए नामांकन भरेंगी

प्रियंका के साथ खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी मौजूद रहेंगे

-डॉ. सतीश मिश्रा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। वायनाड लोकसभा सीट का उपचुनाव जितना प्रतिष्ठित है, यह इसी से पता चलता है कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी जब वायनाड उपचुनाव के लिए नामांकन भरने जाएगी तब उनके साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी होंगे।

प्रियंका पहली बार चुनाव लड़ने जा रही हैं और 23 अक्टूबर को 12 बजे व कलपेट्टा में रिटर्निंग अफसर के सामने नामांकन भरेंगी। सूत्रों ने कहा सोनिया, राहुल और खड़गे के अलावा कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री देश व प्रदेश के प्रमुख पार्टी नेता भी उपस्थित रहेंगे। नामांकन से पहले राहुल और प्रियंका एक रोड़ शो करेंगे। रोड़ शो 11 बजे कलपेट्टा बस स्टैंड से शुरू होगा। वायनाड लोकसभा उपचुनाव इसलिए कराना पड़ा क्योंकि इस सीट से चुनाव जीते राहुल गांधी ने इस्तीफा दे दिया था क्योंकि वे दो सीटों से चुनाव लड़े थे और विजयी रहे थे। उल्लेखनीय है, जून में कांग्रेस अध्यक्ष ने घोषणा की थी कि राहुल रायबरेली सीट रखेंगे और वायनाड सीट खाली करेंगे। राहुल वायनाड और रायबरेली दोनों जगह से जीते थे। कांग्रेसी नेताओं को यकीन है कि प्रियंका वायनाड से अवश्य ही जीतेंगी। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार वायनाड सीट के लिए 13 नवम्बर को मतदान होगा यहां नामांकन दर्ज करने की अंतिम तारीख 25 अक्टूबर है। नामांकन की जांच 28 अक्टूबर को होगी नामाकंन वापस लेने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर है।

मतगणना महाराष्ट्र व झारखंड विधानसभा चुनाव की मतगणना के साथ 23 नवम्बर को ही होगी।

- सूत्रों ने बताया कि नामांकन से पूर्व प्रियंका व राहुल गांधी एक रोड शो करेंगे। इस समूची कवायद में कांग्रेस के प्रमुख राष्ट्रीय व प्रदेश नेताओं के साथ कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री मौजूद रहेंगे।
- यह सीट राहुल गांधी के इस्तीफा देने से रिक्त हुई है। लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी रायबरेली और वायनाड दोनों सीटों से जीते थे, फिर उन्होंने वायनाड सीट छोड़ दी थी और प्रियंका को वहाँ से चुनाव लड़ाने का एलान कर दिया था।

पन्नू की हत्या की साजिश, अमेरिका के आरोपों पर सहयोग की मुद्रा में आई भारत सरकार

पर केन्द्र सरकार आशंकित है, अमेरिका इस साजिश के कथित आरोपी, विकास यादव के प्रत्यार्पण की मांग ना कर ले

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। भारत ने अमेरिका के डिपार्टमेन्ट ऑफ जस्टिस के इस आरोप, कि सी.आर.पी.एफ. अधिकारी विकास यादव, जिसे आर.ए.डब्ल्यू. (रॉ) एजेन्ट बताया गया है, खालिस्तानी ऐक्टिविस्ट गुरपतवन्त सिंह पन्नू की हत्या की साजिश में लिप्त है, पर सहयोगात्मक रुख अपनाया है, लेकिन नई दिल्ली इस प्रश्न को लेकर चिन्तित है कि अगर अमेरिका यादव के प्रत्यर्पण की माँग करता है तो क्या होगा?

उधर कैनडा सरकार ने भी यह आरोप लगाया है कि भारत सरकार कैनडा की धरती पर खालिस्तान-समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में लिप्त है, इस प्रकरण में भारत सरकार ने टकराव की मुद्रा अपनाई और प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो के आरोप को निराधार तथा "वोट बैंक राजनीति" से जुड़ा बताया है। लेकिन अमेरिका वाले प्रकरण में, नई दिल्ली ने सहयोग का रास्ता अपनाते हुए, अमेरिका को सूचित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अगर, ऐसा हुआ तो भारत सरकार बदले में मुम्बई टैरर अटैक के आरोपी डेविड कोलमैन हैडली उर्फ दाऊद सैय्यद गिलानी के प्रत्यार्पण की मांग कर सकती है, जो अमेरिका की जेल में बंद है, उसकी अमेरिका सरकार से डील है कि उसे भारत को नहीं सौंपा जाएगा।
- अमेरिकन न्याय विभाग का आरोप है कि सी.आर.पी.एफ. का अफसर विकास यादव, जो कथित तौर पर रॉ एजेंट है, ने खालिस्तानी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रची थी।
- ध्यान देने वाली बात यह है कि, कैनडा सरकार ने जब हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के लिए भारत सरकार पर आरोप लगाया तो भारत ने तीखी प्रतिक्रिया दी, पर, अमेरिका के आरोपों के संबंध में भारत का रुख बेहद विनम्र है।

पदोन्नति नहीं देने पर प्रसारण निगम से जवाब मांगा

जयपुर, 21 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने मीटर रीडर को एस्टीमेटर के पद पर पदोन्नित नहीं देने से जुड़े मामले में विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश प्रहलाद सिंह की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता योगेश कुमार टेलर ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता बिजली कंपनी में श्रमिक के रूप में मीटर रीडर के पद पर नियुक्त हुआ था। याचिकाकर्ता को विभाग की ओर से मार्च, 1992 में एस्टीमेटर के पद पर पदोन्नति नहीं दी गई, जबकि उससे जूनियर कर्मचारी को पदोन्नत कर दिया गया। इस पर याचिकाकर्ता ने विभाग को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- आरोप है कि पात्र होने के बावजूद मीटर रीडर को एस्टीमेटर पद पर पदोन्नति नहीं दी, जबकि उससे जूनियर को प्रमोशन दे दिया।

'शुभम लॉजिस्टिक व ऑरिगो के साथ अनुबंध में करोड़ों रुपए का घोटाला हुआ था'

सोमवार को बोर्ड बैठक में कृषि-खाद्य विभाग और भंडारण निगम ने दोनों कंपनियों द्वारा निविदा शर्तों के उल्लंघन तथा करोड़ों रुपए का घोटाला करने के आरोप को सही माना

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 21 अक्टूबर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पिछले कार्यकाल में वर्ष 2020 में राज्य भंडारण निगम के 71 गोदामों के संचालन व रखरखाव का ठेका जिन कंपनियों, श्री शुभम लॉजिस्टिक व ऑरिगो कोमोडिटीज को दिया गया था, उनके द्वारा निविदा की शर्तों के उल्लंघनों का रिव्यू किया गया। बैठक के बाद भंडारण निगम ने ए.सी.बी. महानिदेशक को पत्र लिखकर कहा कि, इस मामले में कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के शिकायती पत्र के अनुसार तुरंत जांच हो। साथ ही ए.सी.बी. अपना अनुसंधान अधिकारी भी बदले, ऐसा अधिकारी लगाया जाए, जो पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से प्रभावित नहीं हो। भंडारण निगम का कहना है कि ए.सी.बी. द्वारा नियुक्त जांच अधिकारी पिछले 2 माह से प्राथमिकी दर्ज किए बैठे हैं, एफ.आई.आर. आज तक दर्ज नहीं की गई। जांच अधिकारी वर्ष 2020 में दोनों कंपनियों के साथ किए गए अनुबंध की जांच के बजाय "वेयर हाऊसिंग मैनेजमेंट सिस्टम" के विश्लेषण पर अटके हुए है।

सोमवार को कृषि विभाग, राज्य भंडारण निगम व खाद्य विभाग के उच्चाधिकारियों ने इस संबंध में बोर्ड बैठक बुलाई थी, जिसमें इन दोनों कंपनियों द्वारा लगातार पिछले 4 सालों से निविदा की शर्तें, जैसे करोड़ों रु. की कृषि उपज का बीमा नहीं कराने, बैंक गारंटी नहीं चुकाने, सरकारी कर्मचारियों का इस्तेमाल करने, कृषि उपज के रखरखाव में लापरवाही, कीटनाशक नहीं छिड़कने और गोदामों को भराव क्षमता के 70 प्रतिशत से कम उपयोग में लेकर सरकार को करोड़ों रु. के नुकसान पहुंचाने पर विस्तृत चर्चा की गई। बोर्ड बैठक में भंडारण निगम और कृषि विभाग ने इन तमाम खामियों को सही माना और अब इस प्रकरण की ए.सी.बी. से विस्तृत जांच करवाने, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के साथ-साथ कानूनी तरीका अपनाने का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कार्यकाल में वर्ष 2020 में इन कंपनियों को राज्य भंडारण निगम के 71 गोदामों के संचालन व रखरखाव का ठेका दिया गया था।
- बैठक के बाद भंडारण निगम ने ए.सी.बी. महानिदेशक को पत्र लिखकर इस मामले में जांच अधिकारी बदलने की मांग की और कहा, ऐसा अधिकारी लगाया जाए, जो पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से प्रभावित नहीं हो।
- भंडारण निगम का कहना है कि, ए.सी.बी. द्वारा नियुक्त जांच अधिकारी पिछले 2 माह से प्राथमिकी दर्ज किए बैठे हैं, एफ.आई.आर. आज तक दर्ज नहीं की गई। जांच अधिकारी वर्ष 2020 में दोनों कंपनियों के साथ किए गए अनुबंध की जांच के बजाय "वेयर हाऊसिंग मैनेजमेंट सिस्टम" के विश्लेषण पर अटके हुए हैं।

आतंकी पन्नू ने एयर इंडिया में विस्फोट की धमकी दी

अमृतसर, 21 अक्टूबर। अमेरिका में रह रहे सिख फॉर जस्टिस (एस.एफ.जे.) के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एअर इंडिया में बम विस्फोट की धमकी दी है। आतंकी पन्नू ने वीडियो जारी कर 1984 के सिख दंगों का बदला लेने की बात कही। उसने लोगों को एअर इंडिया में सफर न करने की सलाह दी।

इससे पहले, 4 नवंबर 2023 को भी पन्नू ने वीडियो जारी कर एअर एंडिया के विमानों को बम से उड़ाने की धमकी दी थी और एक मिनट का वीडियो जारी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पन्नू ने एक वीडियो को जारी कर लोगों को 1 से 19 नवम्बर तक एयर इंडिया में यात्रा नहीं करने की सलाह दी है। उसने गत वर्ष भी ऐसा वीडियो जारी कर धमकी दी थी।

'वे काफी वृद्ध हैं, और, काफी असमर्थ लग रहे हैं'

कमला हैरिस, वो ही तर्क काम में ले रही हैं, ट्रम्प के खिलाफ, जो ट्रम्प व उनके समर्थकों ने राष्ट्रपति बाइडन के लिये काम लिये, जब राष्ट्रपति बाइडन की राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने की संभावना थी

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में मात्र दो महीने रह गए है और दोनों प्रत्याशियों का चुनाव प्रचार चरम पर है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प, जो फिर से चुनाव मैदान में हैं, और अपने चुनाव प्रचार में ऐसी भाषा का प्रयोग कर रहे है, जो पागलपन की हद तक जाती लग रही है। दूसरी ओर, डैमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष कमला हैरिस कहीं भी पीछे हटने या मात खाने का संकेत नहीं दे रही हैं। वे करारा जवाब दे रही हैं और अपने चुनाव प्रचार को बेहद हाईपिच पर ले जाने की कोशिश में है, जहां टिके रह पाना आसान नहीं है।

कमला वे ही तर्क दे रही हैं जो रिपब्लिकन्स जो बाइडन के खिलाफ प्रयुक्त करते थे कि वे बहुत बूढे हैं, मानसिक रुप से सक्षम नहीं है। ट्रम्प भी गड़बड़ कर रहे हैं, और बुढ़ापे के संकेत दे रहे हैं, इससे ट्रम्प की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। हताशा में ट्रम्प असभ्य व उग्र भाषा का प्रयोग कर रहे है। ट्रम्प ने कमला हैरिस, जो अभी उप राष्ट्रपति हैं, के लिए कहा कि वे अब तक की सबसे खराब उप राष्ट्रपति हैं। आपको हटाया जाता है, जाओ यहां से। वे भूल गए हैं कि वे अब राष्ट्रपति नहीं हैं और किसी को भी हटाने की हैसियत में नहीं हैं।

अपने कुछ भाषणों में तो ट्रम्प ने उन लोगों के लिए अश्लील भाषा का प्रयोग किया, जो उनके लिए शर्मिंदगी के हालात पैदा कर रहे हैं। इसमें रिपब्लिकन पार्टी के कार्यकर्ता व बड़े नेता भी शामिल है।

लेकिन जमीनी स्थिति क्या है। स्नैप ऑप्शन पोल दिखा रहे हैं कि दोनों लगभग बराबरी पर हैं। कमला हैरिस को अपने जनाधार में भी समर्थन मिला है। युवा एवं शिक्षित मतदाता उन्हें पसंद कर रहे हैं।

डॉनल्ड ट्रम्प को अपने कट्टर श्वेत समर्थकों का सहारा है, जिनका यकीन इस बात में है कि श्वेत सर्वश्रेष्ठ होते हैं। पर उनकी अटपटी भाषण शैली से शिक्षित युवा मतदाता उनसे दूर हो रहा है। यही नहीं, रिपब्लिकन जनाधार में भी उन्होंने कई लोगों को नाराज कर दिया है। रिपब्लिकन पार्टी के कई बड़े नेता कमला हैरिस के समर्थन में आगे आ रहे हैं, सिर्फ इसलिए, क्योंकि वे ट्रम्प को सत्ता से दूर रखना चाहते हैं।

राजनीतिक अभिजात वर्ग का एक बड़ा वर्ग मानता है कि दूसरी बार डॉनल्ड ट्रम्प को लाने के बारे में सोचना खतरनाक है। इनको भय यह है कि ट्रम्प देश के डैमोक्रैटिक स्ट्रक्चर (लोकतांत्रिक ढांचे) को नष्ट कर देंगे तथा कुछ तानाशाही प्रवृत्तियाँ शुरु कर देंगे।

रोचक बात यह है कि ट्रम्प डैमोक्रेटिक पार्टी के कुछ परंपरागत अश्वेत समर्थन आधार को आकर्षित करने में सफल हुए हैं। अश्वेत समुदाय के कई मतदाता ट्रम्प के समर्थन में चले गए हैं, जो अभी तक डैमोक्रैटिक पार्टी का समर्थन करते थे। यह कैसे हो रहा है, यह एक तरह की पहेली है, लेकिन, लगता है कि ट्रम्प यह बात समझाने में सफल हो गए हैं कि हैरिस वास्तव में एक अश्वेत उम्मीदवार नहीं हैं और उनको जो संस्कार मिले हैं, उनका समाज के इन हिस्सों से संबंध नहीं है।

दोनों उम्मीदवार दो मुद्दों पर एक दूसरे से ज्यादा अलग नहीं हैं, लेकिन अपनी अलग-अलग धारणाएं प्रोजैक्ट करने की कोशिश कर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- ट्रम्प काफी गलतियाँ कर रहे हैं, स्टेज पर, और कमला हैरिस की, ट्रम्प के वृद्ध होने व असमर्थ दिखने की टिप्पणी सच सी लगने लगी है।
- एक अजीबो-गरीब बात यह भी है, इस राष्ट्रपति चुनाव के बारे में कि काफी अश्वेत, जो डैमोक्रेटिक पार्टी के प्रबलतम समर्थक माने जाते रहे हैं, ट्रम्प के पक्ष में कुछ सक्रिय होते नज़र आ रहे है।
- कारण है, ट्रम्प का यह कहना है कि हैरिस किसी भी तरह "अश्वेत" नहीं हैं। वे अपने लालन-पालन व विचारों से श्वेत हैं तथा उनका "अश्वेत" जनता का प्रतिनिधित्व करने का दावा मिथ्या व फरेब है। ट्रम्प की यह आलोचना मतदाताओं पर कुछ असर डाल रही है।

आर.जे.एस. भर्ती-सुप्रीम कोर्ट ने अंग्रेजी, विधि-प्रथम व द्वितीय के अंकों की तालिका मांगी

जयपुर, 21 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट ने आर.जे.एस. भर्ती-2024 की मुख्य परीक्षा से जुड़े मामले में राजस्थान हाईकोर्ट प्रशासन को कहा है कि जिन अभ्यर्थियों के अंग्रेजी विषय में अधिकतम 15 अंक तक आए हैं, उनके विधि प्रथम व द्वितीय प्रश्न पत्र में आए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हाई कोर्ट ने 7 बक्सों में उन अभ्यर्थियों की अंग्रेजी उत्तर पुस्तिकाएं पेश कीं, जिन्हें 15 तक अंक मिले थे।
- सुप्रीम कोर्ट ने विधि प्रथम व द्वितीय के अंकों की जानकारी गुरुवार तक प्रस्तुत करने को कहा है।

विचार बिन्दु

सुबह से शाम तक काम करके आदमी उतना नहीं थकता, जितना क्रोध या चिंता से पल भर में थक जाता है। –जेम्स एलन

शासन प्रशासन में नवाचार, आज की महती आवश्यकता

नवाचार का अर्थ है, किसी कार्य को नए प्रकार से करना। नवाचार वही कर सकता है जो यथा स्थिति से संतुष्ट नहीं है एवं उसे यह लगता है कि इसमें सुधार होना चाहिए। सामान्यत: धारणा यह है कि नवाचार केवल विज्ञान और कला के लिए ही आवश्यक होता है। यह धारणा सही नहीं है । हमारी शासन और न्याय प्रणाली अब भी अंग्रेज़ों वाली ही चल रही है। प्रशासन में नवाचार की बहुत आवश्यकता है। यहां किए गए नवाचार का सीधा प्रभाव साधारण नागरिक पर पड सकता है।

नवाचार करने के लिए पहली आवश्यकता सृजनशीलता की है । जो व्यक्ति सृजनशील शील नहीं है, वह नवाचार करने में भी अधिक समर्थ नहीं हो पाता।

यथा स्थिति बनाए रखने से स्थिति में बदलाव नहीं होता। व्यक्ति चाहे किसी भी क्षेत्र में क्यों ना हो, जब तक नवाचार नहीं करेंगे, तब तक स्थितियों में बदलाव की संभावना नगण्य रहेगी। प्रशासन के संदर्भ में यह बात बहुत सटीक बैठती है । अधिकांश प्रशासक केवल एक नीति को अपनाते हैं कि जैसा चल रहा है, वैसा ही चलते रहने दें । जिनके मन में कुछ करने की ललक होती है और जो शासन का लाभ जनता के वंचित वर्ग तक पहुंचाना चाहते हैं, वही नवाचार के तरीके ढूंढते हैं और ऐसा करने में सफल भी होते हैं।

प्रश्न यह उठता है कि अधिकांश लोग नवाचार क्यों नहीं करते? प्रत्येक व्यक्ति में नवाचार करने की असीम क्षमता होती है, किंतु वे विभिन्न कारणों से ऐसा नहीं करते। हम इन्हीं कारणों का विवेचन करेंगे ।

पहला, व्यक्ति अपने प्रयासों के परिणामों के प्रति अति सुनिश्चित होना चाहता है। जब कोई काम पहली बार किया जाता है तो उसके परिणाम में अनिश्चितता का कुछ अंश अवश्य रहता है। जो व्यक्ति कुछ अनिश्चित परिणाम का जोखिम नहीं उठाना चाहते, वे सामान्यत: कभी नवाचार नहीं कर पाते।

दूसरा, नवाचार करने से लोग इसलिए भी हिचकते हैं कि लोग क्या कहेंगे? विश्व में जब भी किसी ने कोई भी काम नई तरीके से किया, तो पहले लोगों ने उसका उपहास किया, भले ही आगे चलकर वह बहुत सफल हुआ हो। जो व्यक्ति लोगों के कहने की बहुत अधिक परवाह करते हैं, वे कभी भी कोई भी काम नए तरीके से करने का जोखिम नहीं ले सकते।

तीसरा, जिस व्यक्ति में असफलता को स्वीकार करने का साहस नहीं हो, वह भी नवाचार नहीं कर सकता। हमारे समाज में सामान्यत: असफलता को एक प्रकार से तिरस्कार की दृष्टि से देखा जाता है । बचपन से ही बच्चों में केवल सफल होने की ही बात बिठा दी जाती है । इस सोच के कारण असफलता का भय बहुत अधिक होता है और यही कारण है कि जब वे बड़े होते हैं, तो वे कोई काम नई तरीके से करने में डरते हैं।

नवाचार करने के लिए जिस गुण की आवश्यकता होती है, वह है सृजनशीलता। सृजनशील व्यक्ति किसी भी स्थिति या समस्या के हल के बारे में कई प्रकार के विकल्प ढूंढ सकता है। हमारी शिक्षा पद्धति कुछ इस प्रकार की है कि वह विद्यार्थी को केवल एक ही दिशा में सोचना सिखाती है। परीक्षा में प्रश्न भी ऐसे पूछे जाते हैं, जिनका एक ही उत्तर सही होता है। सही उत्तर पर पूरे अंक मिलते हैं और गलत विकल्प पर नेगेटिव मार्किंग होती है। इस प्रकार की सोच से व्यक्ति उन समस्याओं का हल तो ढूंढ सकता है जिसका एक ही हल है। इस प्रकार की शिक्षा और परीक्षा पद्धति से लोगों की सोच एक ही दिशा में सोचने की हो जाती है। जब भी परिस्थितियां अलग प्रकार की हों तो ऐसी सोच से हल निकालने में सहायता नहीं मिलती। उदाहरण के लिए, यदि आप किसी को पूछें कि चाय के कप में हैंडल किस साइड में होता है, तो लगभग सभी इसका उत्तर "left" या "right " देंगे जो सत्य नहीं है। ऐसा इसलिए होता है कि उन्हें सदैव दो ही साइड बताई जाती है, "left" और "right "। वे यह नहीं सोच पाते कि साइड "inside" और "outside" भी होती है। यदि वे उत्तर "outside" देते तो वह बिल्कुल सही होता।

सृजनशीलता से अधिकाधिक विकल्प खोज पाने में सहायता मिलती है । दुर्भाग्य से, हमारी शिक्षा पद्धति ने प्रारंभ से ही सृजनशीलता को उभारने के बजाय दबाने का काम किया है। यही कारण है कि विश्व में नोबेल पुरस्कार विजेताओं में भारतीयों की संख्या नगण्य है जबकि छोटे-छोटे देशों में अनेक नोबेल पुरस्कार विजेता हैं। भारत में रहने वाले केवल भारतीय वैज्ञानिक सर सी वी रमन को यह पुरस्कार 1930 में मिला था। उसके बाद किसी को नहीं मिला।

सृजनशीलता के आधार पर अनेक समस्याओं का हल ढूंढने का प्रयास किया जा सकता है और इसका परिणाम नवाचार के रूप में सामने आ सकता है। हम कह सकते हैं कि सृजनशीलता, प्रक्रिया है और नवाचार उसका परिणाम। प्रयास यह होना चाहिए कि व्यक्ति सृजनशील होने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित हो। सृजनशीलता के आधार पर अनेक समस्याओं का हल ढूंढने का प्रयास किया जा सकता है और इसका परिणाम नवाचार के रूप में सामने आ सकता है। हम कह सकते हैं कि सृजनशीलता, प्रक्रिया है और नवाचार उसका परिणाम। प्रयास यह होना चाहिए कि व्यक्ति सृजनशील होने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित हो। सृजनशीलता की सहायता से, समस्याओं का हल निकालने की कुछ विशेष तकनीकें हैं जिनका, यहां उल्लेख करना उपयुक्त होगा। इनके उपयोग से सामान्य जन जीवन की समस्या और प्रशासन की समस्याओं का प्रभावी हल निकाला जा सकता है ।

सृजनशीलता के आधार पर अनेक समस्याओं का हल ढूंढने का प्रयास किया जा सकता है और इसका परिणाम नवाचार के रूप में सामने आ सकता है। हम कह सकते हैं कि सृजनशीलता, प्रक्रिया है और नवाचार उसका परिणाम। प्रयास यह होना चाहिए कि व्यक्ति सृजनशील होने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित हो।

पहली है 'ब्रेनस्टॉर्मिंग' या मानस - मंथन। इस विधि के अंतर्गत, किसी समस्या से जुड़े हुए व्यक्तियों को एक स्थान पर एकत्रित किया जाकर, प्रत्येक से उसका हल सुझाने के लिए कहा जाता है। इस प्रक्रिया के दौरान, किसी अन्य के दिए गए सुझाव का, तत्काल मूल्यांकन करने से रोका जाता है। कहा जा सकता है कि सरकार की सामान्य बैठकों में यही तो किया जाता है। किंतु इनमें एक बड़ा अंतर है। सरकारी बैठकों में कई बार किसी कनिष्ठ अधिकारी के द्वारा दिए गए सुझाव को वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा बेतुका या अव्यवहारिक बता कर प्रारंभ में ही खारिज कर दिया जाता है। यदि मानस- मंथन की प्रक्रिया होती, तो ऐसा करना संभव नहीं होता। इसमें प्रत्येक सुझाव को केवल नोट कर लिया जाता है।

एक बार जब सारे सुझाव प्राप्त हो जाएं, तब अंत में एक-एक करके उनका मूल्यांकन करके, श्रेष्ठ विकल्प का चयन किया जाता है । इस विधि से प्राप्त हल, अधिकांशतया नवाचारी और प्रभावी होता है। प्रक्रिया के दौरान मूल्यांकन करने का एक दुष्प्रभाव यह होता है कि कई कनिष्ठ अधिकारी अपनी बात कहने से संकोच करने लगते हैं। अत:, समस्या के बारे में अधिक विकल्प प्राप्त नहीं हो पाते। परिणाम स्वरुप, विभाग किसी भी नए समाधान को प्राप्त करने से वंचित हो जाता है। इस प्रकार की हिचक को निकालने से ही कई नए प्रकार के हल सामने आने की संभावना बनती है और विकल्प भी अधिक उपलब्ध हो जाते हैं। पाठकों के लिए यह जानना दिलचस्प होगा कि इसी तकनीक के प्रयोग का ही परिणाम था कि सोफ्टी आइसक्रीम की शुरुआत हुई। इससे पूर्व सब लोग इस समस्या से जूझ रहे थे कि आइसक्रीम खाने के बाद प्लास्टिक या कांच का निस्तारण किस प्रकार किया जाए? केवल एक ब्रेनस्टॉर्मिंग सत्र से इस गंभीर समस्या का हल निकालने की दिशा में सहायता मिली।

दूसरा प्रमुख तरीका है किसी भी समस्या के बारे में विभिन्न प्रकार के प्रश्न पूछना, जो सामान्यतया नहीं पूछे जाते हैं, जैसे प्रक्रिया को ठीक उल्टा कर दिया जाए तो क्या हो, उसे बहुत छोटा बड़ा कर दिया जाए, तो क्या हो, क्या इस काम को किसी वैकल्पिक तरीके से किया जा सकता है, प्रक्रिया में से कुछ हिस्से हटा दिए जाएं तो क्या हो, कुछ और जोड़ दिये जायें तो क्या हो आदि आदि। वर्तमान स्थिति के बारे में क्या, क्यों, कैसे, कहां, किसके द्वारा, कब, जैसे प्रश्न लगातार पूछे जाने चाहिएं । संभव है, उनके उत्तर में ही वह समाधान छिपा हो, जिसे अपनाने से समय, श्रम एवं धन की बचत हो एवं साथ ही नागरिकों को सुविधा भी हो ।

किसी भी विभाग में नवाचार को प्रोत्साहित करने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि मानस- मंथन की प्रक्रिया के दौरान वरिष्ठ और कनिष्ठ का अंतर नहीं रखा जाए। कई बार निम्न पायदान के अधिकारी / कर्मचारी भी कुछ ऐसे हल सुझा सकते हैं जो शायद बड़े-बड़े अधिकारियों के ध्यान में नहीं आया हो, क्योंकि ये लोग दिन प्रतिदिन जनता के संपर्क में अधिक आते हैं और वे समस्याओं से भली भांति परिचित भी होते हैं। किसी भी समस्या का नवाचारी हल निकालने के लिए अत्यंत आवश्यक है कि समस्या का समाधान केवल लक्षण के आधार पर करने के बजाय, उसकी जड़ में जाने का प्रयास किया जाए। वरना ऐसा ही होगा, जैसे किसी समस्या रुपी पेड़ के पत्तों को तोड़ा भी जाए तो पत्ते फिर उग आएंगे और समस्या पहले से भी विकराल रूप धारण कर लेगी। आवश्यकता, समस्या की जड़ पर प्रहार करने की है ।

नवाचार की प्रवृत्ति, उस विभाग अथवा संस्थान में अधिक होगी, जहां कार्यरत अधिकारियों/कार्मिकों को यह डर नहीं हो कि उनके द्वारा किए गए किसी नवाचार के असफल हो जाने पर उन्हें दंडित किया जाएगा। जैसा कि ऊपर लिखा है, किसी भी कार्य को पहली बार करने से उसके सफल अथवा असफल होने, दोनों की संभावना होती है । यदि किसी अधिकारी का नवाचार असफल होने पर उसे दंडित नहीं किया जाएगा एवं उसके विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी तो सरकार के विभागों में नए-नए हल लागू करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलेगा। वर्तमान में, अधिकांश राजकीय अधिकारी, यहां तक कि विभागाध्यक्ष /सचिव भी यथा स्थिति बनाए रखने में विश्वास रखते हैं, क्योंकि ऐसा करने से उन्हें किसी प्रकार का जोखिम नहीं उठाना पड़ता। यह जनहित में कतई नहीं है, क्योंकि समय के साथ-साथ समस्याओं का स्वरूप बदलता रहता है और उसी के अनुरूप उनके समाधान भी बदलने की आवश्यकता पड़ती है ।

नवाचार उस क्षेत्र में अधिक होता है जहां प्रतिस्पर्धा बहुत अधिक होती है, क्योंकि किसी भी क्षेत्र में टिके रहने के लिए भी अपने काम करने के तरीकों में निरंतर बदलाव की आवश्यकता होती है। चूंकि सरकारी विभागों के समक्ष कोई प्रतिस्पर्धा नहीं होती, अत: वहां नवाचार करने पर दबाव भी कम होता है। पाठकों को याद होगा जब लाइसेंस, कोटा और एकाधिकार का समय था, तब किसी भी व्यवसाई ने नवाचार करने की आवश्यकता नहीं समझी । पहले केवल एम्बेसेडर कार होती थी, तो उसमें बहुत अधिक संशोधन या उसे बेहतर बनाने हेतु निर्माताओं पर दबाव नहीं था। दूरभाष भी केवल सरकार का ही आता था। जनता के पास कोई विकल्प न होने के कारण, उन पर सुधार हेतु कोई दबाव नहीं था। जैसे ही 1991 के उदारीकरण के बाद हर क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ी, तो सभी को अपने-अपने काम करने के तरीकों में बदलाव लाने के लिए मजबूर होना पड़ा चाहे वे बैंक हों या टेलीफोन विभाग। जिन्होंने इस बदलाव को पहचान कर नवाचार नहीं किए, वे अप्रासंगिक से हो गए।

आइए हम सब निजी और सरकारी, प्रत्येक क्षेत्र में 'आउट ऑफ बॉक्स' सोचने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करें, ताकि अपने काम करने के तरीकों में नवाचार के माध्यम से निरंतर सुधार कर सकें एवं स्वयं को प्रतिस्पर्धी युग में प्रासंगिक बनाए रख सकें।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

छात्रसंघ नहीं, छात्र संसद होनी चाहिए

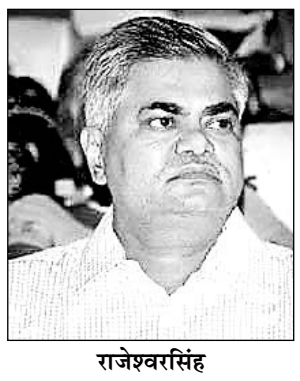

राजेश्वरसिंह

विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में छात्र समुदाय के प्रतिनिधि निकाय के रूप में छात्रसंघ के निर्वाचन का उद्देश्य छात्रों की समस्याओं की तरफ प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कर उनके समाधान के लिए सकारात्मक प्रयास करना तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में छात्रों की सहभागिता सुनिश्चित कर उन्हें भविष्य के जागरूक व जिम्मेदार नागरिक के रूप में प्रशिक्षित व विकसित करना है। इसका सुखद परिणाम यह रहा है कि छात्रों द्वारा अनुभूत की जा रही समस्याओं के विकराल रूप धारण करने से पूर्व ही छात्रसंघ पदाधिकारियों द्वारा समाधानमूलक प्रयास कर लिया जाता है। इसके अतिरिक्त अनेकानेक छात्रसंघ पदाधिकारियों द्वारा उनके कार्यकाल में अर्जित अनुभव, पहचान, प्रतिष्ठा और लोकप्रियता के आधार पर जन राजनीतिक जीवन में उल्लेखनीय सफलताएँ और महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ अर्जित की गई हैं। पंचायतीराज संस्थाओं, नगरीय निकायों और सहकारी संस्थाओं से लेकर विधानसभा एवं लोकसभा के चुनाव में भी पूर्व छात्रसंघ पदाधिकारियों ने अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराई है।

छात्रसंघ की सांगठनिक संरचना पर अगर दृष्टिपात किया जाए तो पूरे देश में एक समान पैटर्न दृष्टिगोचर होता है। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव तथा संयुक्त सचिव जैसे पदों का प्रत्यक्ष निर्वाचन होता है, जिसमें विश्वविद्यालय, महाविद्यालय के सभी छात्र मतदाता के रूप में सहभागी होते हैं, साथ ही समानांतर रूप से छात्र प्रतिनिधि सभा अथवा छात्र महासमिति का चुनाव भी होता है, जिससे चुने हुए कक्षा प्रतिनिधि सदस्य होते हैं। सैद्धांतिक रूप से छात्रसंघ के पदाधिकारी अथवा कार्य समिति उक्त छात्र प्रतिनिधि सभा अथवा छात्र महासमिति के प्रति उत्तरदायी होते हैं किंतु व्यावहारिक रूप से उक्त सदन पर्याप्त रूप से सक्रिय प्रतीत नहीं होता।

छात्रसंघों की उपर्युक्त कार्य पद्धति वस्तुत: अध्यक्षात्मक अथवा कार्यपालक राष्ट्रपति पद्धति के ज्यादा समीप प्रतीत होती है जबकि भारत की संविधान सभा ने व्यापक और विस्तृत विचार विमर्श के उपरांत देश की शासन पद्धति के रूप में संसदीय शासन प्रणाली को स्वीकार एवं अंगीकार किया था। सामूहिक नेतृत्व एवं उत्तरदायित्व तथा विमर्श मूलक निर्णय पद्धति संसदीय लोकतंत्र की प्राणवायु तथा मूलाधार है। यदि हम छात्र प्रतिनिधियों को भविष्य में संसदीय लोकतंत्र में महत्वपूर्ण भूमिकाओं के निर्वहन के लिए तैयार करना चाहते हैं तो हमें छात्रसंघों की सांगठनिक संरचना को भी इसी अनुरूप संशोधित, परिवर्धित और विनियमित करना चाहिए।

इसके लिए आवश्यक है कि समस्त विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में छात्रसंघ के स्थान पर छात्र संसद स्थापित की जावे, जिसमें चुने हुए कक्षा प्रतिनिधि सदस्य हो। उक्त छात्र संसद अपनी प्रथम बैठक में सभापति (स्पीकर), उपसभापति (डेप्युटी स्पीकर) तथा छात्र प्रमुख (प्रीमियर) का चुनाव करे तथा छात्र प्रमुख कक्षा प्रतिनिधियों में से छात्र मंत्रिमंडल का मनोनयन करे जिसमें वित्त, शिक्षा, क्रीडा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, पुस्तकालय इत्यादि विभागों के पृथक-पृथक मंत्री एवं उप मंत्री हों। संसदीय लोकतंत्र की तरह छात्र मंत्रिमंडल भी छात्र संसद के प्रति सामूहिक रूप से उत्तरदायी हो तथा सामूहिक नेतृत्व एवं विमर्श मूलक निर्णय पद्धति के आधार पर अपनी कार्यप्रणाली का संचालन करें।

अध्यक्षात्मक के बजाय संसदीय प्रणाली अपनाने से छात्र निकायों में वास्तविक एवं यथार्थ रूप से विमर्श मूलक लोकतांत्रिक प्रक्रिया लागू होगी तथा विभिन्न मुद्दों पर तर्क आधारित विचार विनिमय की प्रवृत्ति को प्रोत्साहन मिलेगा। इसके अलावा संसदीय प्रणाली में छात्र प्रमुख के अलावा सभापति, उपसभापति, अन्य विभागीय मंत्रियों एवं उपमंत्रियों को अपनी प्रतिभा एवं कार्य क्षमता के समुचित प्रदर्शन का सुअवसर प्राप्त होगा जिससे उनकी एक विशिष्ट पहचान कायम होगी तथा भविष्य का अनुभवी एवं परिपक्व नेतृत्व तैयार होगा।

छात्र संसद के सदस्य के रूप में कक्षा प्रतिनिधियों को भी इसकी बैठकों में यथार्थपरक एवं औचित्यपूर्ण मुद्दे उठाने तथा अपनी वक्तृत्व क्षमता के प्रदर्शन एवं परिष्कार का अवसर मिलेगा जिससे उनमे अध्ययन एवं विश्लेषण की प्रवृत्ति विकसित होगी तथा वे संवाद, प्रस्तुतीकरण व व्याख्यान कला में दक्षता अर्जित कर सकेंगे।

संसदीय प्रणाली अपनाने तथा छात्र प्रमुख के अप्रत्यक्ष चुनाव का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि लिंगदोह कमेटी की सिफ़ारिशें, जो वास्तव में कागज पर सिमट कर रह गई है, उनको वास्तविक रूप से धरातल पर लागू किया जा सकेगा तथा इससे छात्र निकाय के चुनाव में धन-बल के प्रयोग को भी नियंत्रित किया जा सकेगा।

ऐसा नहीं है कि देश में इस तरह की व्यवस्था मौजूद नहीं है। दिल्ली के प्रतिष्ठित हिंदू कॉलेज में छात्र संसद की व्यवस्था संस्था के स्थापना काल से ही अस्तित्व में है और आज तक निरंतरता एवं कुशलतापूर्वक संचालित हो रही है। आवश्यकता इस व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से देश के समस्त विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में लागू करने की है ताकि इन संस्थाओं के छात्र निकायों में वास्तविक रूप से संसदीय लोकतांत्रिक, सर्व समावेशी, तर्क आधारित एवं विमर्शमूलक परिवेश की संरचना की जा सके। यह परिवर्तन छात्र राजनीति के वर्तमान स्वरूप एवं भारतीय राजनीति के भावी स्वरूप में समग्र क्रांति या आमूल चूल परिवर्तन का प्रस्थान बिंदु बन सकता है।

–राजेश्वरसिंह,
आइएएस (सेवानिवृत्त)

मांची गांव में 10 दिन से सर्पदंश की घटनाओं से ग्रामीणों में दहशत

सांप ने एक महिला को और काटा, अचेत महिला को करौली सामान्य चिकित्सालय के आईसीयू वार्ड में उपचार के लिए भर्ती कराया

करौली, (निसं)। करौली के निकटवर्ती मांची गांव में गत 10 दिन से सर्पदंश की घटनाओं से ग्रामीण दहशत में है। सोमवार को प्रात: भी एक महिला के सांप के काट लेने से लोग भयभीत हैं।

जानकारी के अनुसार करौली के समीप मांची गांव में सोमवार को प्रात: महिला गीता देवी अपने घर पर ही थी। इस दौरान निकले सांप ने उसे डस लिया जिससे वह अचेत हो गई। परिवारजन उसे करौली सामान्य चिकित्सालय लेकर आए, जहां उसे आईसीयू वार्ड में उपचार के लिए भर्ती कराया। लगातार हो रही घटनाओं से ग्रामीण भयभीत से दिखाई दे रहे हैं।

मांची गांव में लगातार हो रही सर्पदंश की घटनाओं को देखते हुए क्षेत्रीय वन अधिकारी ने बताया कि गांव में सांपों की अधिकता की सूचना पर चार कार्मिकों की टीम गठित की गई और करीब आधा दर्जन से अधिक सांपों को पड़कर सुरक्षित जंगल में छोड़ा गया। यही नहीं करौली जिला पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय के निवास पर रविवार को लोन में एक लंबा सांप निकला, जिससे अफरा-तफरी सी मच गई। पास ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के आवास से उनके गनमैन प्रधान गुर्जर, वाहन चालक पुष्पेंद्र सहित पुलिस अधीक्षक के गार्ड ने सांप को पकड़कर प्लास्टिक के कट्टे में बंदकर जंगल में छोड़ा। वहीं सोमवार को करौली पुलिस अधीक्षक कार्यालय के साइबर सेल में भी एक लंबा सांप निकला, जिसे देखकर पुलिसकर्मियों में अफरा-तफरी सी मच गई। इस दौरान एक जवान ने सांप को पकडकर दूर ले जाकर छोड़ा।

सांप के काटने से अचेत महिला को अस्पताल में भर्ती कराया।

जानकारी के अनुसार 13 अक्टूबर को भी पुष्पेंद्र तथा उसके पुत्र गर्वित कमरे के बेड पर सो रहे थे। इस दौरान रात करीब दो बजे सांप ने पिता-पुत्र को डस लिया था। परिवारजन चिकित्सालय लेकर पहुंचे जहां पुत्र की हालत गंभीर होने पर उसे उपचार के लिए जयपुर रैफर कर दिया, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया जबकि पिता की उपचार के दौरान 14 अक्टूबर को मौत हो गई। मृतक पुष्पेंद्र के छोटे भाई नगेंद्र ने बताया कि परिवार में शोक के चलते वह चाचा बाबू सिंह उर्फ मानसिंह तथा उनके पुत्र दीपेंद्र के साथ मंगलवार रात को मकान के कमरे में जमीन पर पास में ही सो रहे थे। रात करीब चार बजे सर्प ने दीपेंद्र के पैर में काट लिया नगेंद्र ने बताया कि सर्प बाबू सिंह की छाती के उपर से निकाला और उसके नगेंद्र के सीने के ऊपर से गुजर गया इसके बाद प्रात: करीब आठ बजे परिवारजन पीड़ितों को लेकर सामान्य चिकित्सालय पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उन्हें भी आईसीयू वार्ड में भर्ती कर लिया।

दूसरी ओर इसी परिवार से करीब 100 मीटर दूर रहने वाली महिला अंकिता को भी गत बुधवार को प्रात: छह बजे सर्प ने काट लिया जिसे करौली अस्पताल के आईसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद करौली जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना भी अस्पताल पहुंचे और सर्पदंश से पीड़ितों के लिये चिकित्सकों को बेहतर उपचार करने के निर्देश दिए।

अनुभव प्रमाण पत्र को आधार बनाकर आवेदन खारिज नहीं करें : राजस्थान हाईकोर्ट

जोधपुर, (कास)। राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर के न्यायाधिपति विनीत कुमार माथुर ने एक आदेश पारित कर हनुमानगढ़ के संविदा नर्सिंगकर्मी पवन कुमार शर्मा को अनुभव प्रमाण पत्र के आधार पर नियमित सीधी भर्ती नर्सिंग ऑफिसर के लिए विचार करने के आदेश पारित किए।

प्रमुख चिकित्सा अधिकारी हनुमानगढ़ ने शहीद भगत सिंह प्लेसमेंट एजेंसी से अगस्त 2016 में एक पत्र लिखकर चिकित्सा विभाग में ईसीजी कार्य करने वाले और नर्सिंगकर्मी के लिए योग्य व्यक्तियों के नाम मांगे। प्लेसमेंट एजेंसी ने 12 अगस्त 2016 को पवन कुमार शर्मा नर्सिंग कर्मचारी का नाम प्रस्तावित कर दिया। 16 अगस्त 2016 को पवन कुमार को संविदा पर नर्सिंगकर्मी के पद पर जॉइनिंग दी गई। तब से वह निरंतर चिकित्सा विभाग में कार्य कर रहा है। 5 मई 2023 को नर्सिंग ऑफिसर भर्ती, 2023 के लिए राज्य सरकार ने विज्ञप्ति जारी की, जिसमें पूर्व में पद स्थापित संविदा नर्सिंग कर्मियों को बोनस अंक का प्रावधान किया गया। प्रार्थी पवन कुमार शर्मा को 2016 से कार्य करने का अनुभव

■ कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि पुनः सत्यापन रिपोर्ट आवेदक के पक्ष में आने पर उसे बोनस अंक भी दिए जाएंगे

प्रमाण पत्र प्रमुख चिकित्सा अधिकारी हनुमानगढ़ ने जारी किया। उसी आधार पर प्रार्थी का नाम नर्सिंग ऑफिसर पद पर नियुक्ति हेतु प्रक्रियाधीन था, परंतु निदेशक राजस्थान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान जयपुर ने प्रार्थी की संविदा नियुक्ति पर सवाल उठाते हुए अनुभव प्रमाण पत्र का पुन: सत्यापन करवाया। इसमें भी प्रमुख चिकित्सा अधिकारी हनुमानगढ़ ने प्रार्थी को नर्सिंगकर्मी का अनुभव प्रमाण पत्र जारी किया। परंतु निदेशक कार्यालय ने उसकी नियुक्ति संबंधी पत्रावली को विचाराधीन रख लिया और कोई निर्णय नहीं किया।

इस पर प्रार्थी पवन कुमार शर्मा ने राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर में एडवोकेट एसडी गोस्वामी के माध्यम से याचिका दायर कर निवेदन किया कि प्रार्थी प्रमुख चिकित्सा अधिकारी हनुमानगढ़ द्वारा जारी अनुभव प्रमाण पत्र के आधार पर नियुक्ति के लिए पात्र माना जावे। इस पर उच्च न्यायालय जोधपुर ने आदेश पारित कर राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वे आवेदक द्वारा प्रस्तुत अनुभव प्रमाण पत्र के आधार पर उसकी नियुक्ति के मामले पर विचार करे। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि अनुभव प्रमाण पत्र के आधार पर आवेदक की उम्मीदवारी को खारिज नहीं किया जाएगा, तथा पुन: सत्यापन रिपोर्ट आवेदक के पक्ष में आने पर उसे बोनस अंक भी दिए जाएंगे।

राशिफल मंगलवार 22 अक्टूबर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, आर्द्रा नक्षत्र बुधवार प्रात: 5:39 तक, परिद्य योग प्रात: 8:46 तक, गर करण दिन 1:39 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-कर्क, बुध-तुला, गुरू-वृष, शुक्र-वृश्चिक, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से बुधवार प्रात: 5:51 तक है। रवियोग बुधवार प्रात: 5:51 तक है। भद्रा रात्रि 1:24 से आरम्भ होगी। आज सायन वृश्चिक में सूर्य प्रवेश रात्रि 3:46 पर होगा। आज हेमंत ऋतु आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:23 से 10:47 तक, लाभ-अमृत 10:47 से 1:36 तक, शुभ 3:00 से 4:24 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:34, सूर्यास्त 5:48

मेष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

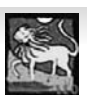

सिंह
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
घर-परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

वृष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। आपसी मतभेद समाप्त होंगे।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। संभावित धन प्राप्त होगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी और धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मीन
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

सरस अजमेर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि., अजमेर

(ISO 22000:20018 प्रमाणित संगठन)

मिलावट खोरों से सावधान, पूजा एवं दैनिक जीवन में सरस शुद्ध ताजा दूध एवं दुग्ध के उत्पाद (घी) उपयोग करें

अजमेर डेयरी की सरस आईसक्रीम

बटर स्कोच, केसर पिस्ता, काजू द्राक्ष, चॉकलेट, वनीला, स्ट्रॉबेरी फ्लेवर्स

कोन आईसक्रीम, बटर स्कोच, चॉकलेट, वनीला, स्ट्रॉबेरी फ्लेवर्स

कैंडी, चॉकलेट, मैंगो, ऑरेंज, रोज़

आईसक्रीम ब्रिक फैमिली पैक वनीला, केसर पिस्ता, स्ट्रॉबेरी, बटर स्कोच फ्लेवर्स

सरस फ्लेवर्ड मिल्क

इलायची | हापुस मैंगो | रोज़ | केसर | स्ट्रॉबेरी | मटका दही

पैक्ड पॉश्च्युराईज्ड सरस दूध की किस्में

डबल टोण्ड | टोण्ड | स्टेण्डराईज्ड | गोल्ड | चाय साथी

200 मि.ली., 1/2 लीटर, 1 लीटर एवं 6 लीटर पैकिंग में उपलब्ध

सरस फरमेन्टेड (जावण दुग्ध उत्पाद)

सादा छाछ 500 मि.ली. | नमकीन छाछ 200 मि.ली. | लस्सी 200 मि.ली. | दही (कप) 200 ग्राम | दही (पाउच) 500 ग्राम | श्री खण्ड 100 ग्राम / 500 ग्राम

पैकिंग में उपलब्ध

सरस दीर्घावधि उत्पाद

बटर - 100 ग्राम, 500 ग्राम

व्हाइट बटर - 15 कि.ग्रा. के स्लेब्स में उपलब्ध

सरस कॉग्युलेटेड एवं खोया उत्पाद

पनीर 200 ग्राम एवं 1 कि.ग्रा. | फीका मावा 200 ग्राम एवं 1 कि.ग्रा. | बर्फी 250 ग्राम एवं 500 ग्राम | पेड़ा 250 ग्राम एवं 500 ग्राम पैकिंग में उपलब्ध

स्वादिष्ट नवीन उत्पाद

मैंगो डॉली

स्वादिष्ट नवीन उत्पाद

पुदीना छाछ

सरस घी

1/2 लीटर
1 लीटर पॉलीपैक
5 लीटर टिन
15 कि.ग्रा. टिन पैकिंग

1/2 लीटर | 1 लीटर | 5 लीटर | 15 किलो

सरस दुग्ध पाउडर

1. स्कीम्ड मिल्क पाउडर 3 ग्राम, 5 ग्राम, 8 ग्राम, 500 ग्राम, 25 कि.ग्रा. पैकिंग
2. डेयरी व्हाइटनर - 400, 1 कि.ग्रा., 25 कि.ग्रा. पैकिंग
3. हॉल मिल्क पाउडर - 25 कि.ग्रा. पैकिंग
4. बेबी फूड पाउडर - 500 ग्राम, 1 कि.ग्रा. टिन पैकिंग

सरस, दूध एवं दुग्ध उत्पादों हेतु मोबाईल (चलायमान) बिक्री केन्द्रों हेतु (ई-रिक्शा, ट्रॉय साइकिल आदि) जिसमें प्रशीतन की सुविधा हो पूछताछ आमंत्रित की जाती है।

विशेष निवेदन

1. उपरोक्त उत्पादों का नए संयंत्र से निर्माण आरंभ हो चुका है जिन्हें रियायती दर पर उपलब्ध करवाया जाएगा।
2. पहले आओ-पहले पाओ, जो भी उपरोक्त उत्पाद का डीलरशिप लेना चाहता है सम्पर्क सूत्र मो.नं. 9001894865 एवं 9928191944 प्रत्येक उत्पाद पर आकर्षक कमीशन दिया जाएगा। जिला / अन्तरजिला / प्रादेशिक डीलरशिप हेतु पूछताछ आमंत्रित है।
3. समस्त होटल / बेकरी प्रतिष्ठान / मॉल (मॉर्डन ट्रेड) / सहकारी भण्डार एवं बीएमसी (बल्क मिल्क कूलर) संचालकों से निवेदन है कि नवीन तकनीक द्वारा निर्मित उत्पादों का भरपूर लाभ उठाएं।

व्यापारिक पूछताछ हेतु अजमेर जिले एवं अन्य जिले के व्यापारीगण सभी आमंत्रित हैं फोन : 0145-2440013 / 2440027, 18001806082

अवैध पटाखा बनाने वाली फैक्टरी में अज्ञात कारणों से आग लगी

14 अक्टूबर को टपूकड़ा एसडीएम ने इस फैक्टरी को अवैध रूप से पटाखा बनाने के आरोप में सील कर दिया था, बावजूद इसके फैक्टरी में काम जारी था

अलवर, (निसं)। भिवाड़ी के पथरेड़ी औद्योगिक क्षेत्र में अवैध पटाखा बनाने वाली एक फैक्टरी में सोमवार सुबह अज्ञात कारणों से आग लग गई। इस आग में कंपनी में रखे पटाखे और अन्य सामान जलकर राख हो गए। बताया जा रहा है कि आग लगने के समय फेक्टरी में तीन मजदूर काम कर रहे थे, जो आग लगती देख तुरंत बाहर निकल गए। सूचना मिलने पर रीको और नगर परिषद की दमकल गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर करीब 3 घंटे में आग पर काबू पाया। इस दौरान फैक्टरी के अंदर से पटाखों के फूटने की आवाजें लगातार आती रही।

गौरतलब है कि 14 अक्टूबर को टपूकड़ा एसडीएम लाखन सिंह गुर्जर ने इस फेक्टरी को अवैध रूप से पटाखा बनाने के आरोप में सील कर दिया था। बावजूद इसके, कंपनी में काम जारी था। अब पुलिस प्रशासन ने इस मामले की जांच करने की बात कही है। चोपानकी थाना अधिकारी कमलेश मीणा ने बताया कि 14 अक्टूबर को टपूकड़ा एसडीएम लाखन सिंह के आदेश पर इस कंपनी को सील किया गया था। कंपनी के मालिक को पटाखे बनाने का लाइसेंस जमा कराने के लिए कहा गया था, लेकिन अभी तक उसने लाइसेंस जमा नहीं किया है। आज सुबह आग की सूचना मिली, जिसके बाद दमकल गाड़ियों को मौके पर बुलाकर आग पर काबू पाया गया। अगर मालिक लाइसेंस पेश नहीं करता है, तो एसडीएम के आदेश पर मामला दर्ज किया जाएगा और नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम ने लाइसेंस जमा कराने के लिए 7 दिन का समय दिया था, जो 21 अक्टूबर को पूरा हो रहा है। अब इस बात की जांच की जाएगी कि कंपनी में आग जानबूझकर लगाई गई है या यह दुर्घटनावश लगी है।

नगर परिषद फायर इंचार्ज नरेश कुमार मीणा ने बताया कि पथरेड़ी औद्योगिक क्षेत्र में संचालित तिवारी मैन्युफैक्चरिंग ट्रेडिंग कंपनी में अवैध रूप से पटाखे बनाए जा रहे थे। इस कंपनी को 14 अक्टूबर को टपूकड़ा एसडीएम द्वारा सील किया गया था। सोमवार को अज्ञात कारणों से कंपनी में आग लग गई, चूंकि कंपनी सील थी, इसलिए अब इसकी जांच की जाएगी कि आग किन कारणों से लगी है।

- **बताया जा रहा है कि आग लगने के समय तीन मजदूर काम कर रहे थे, जो तुरंत बाहर निकल गए**
- **'कंपनी के मालिक को पटाखे बनाने का लाइसेंस जमा कराने के लिए कहा गया था, लेकिन अभी तक उसने लाइसेंस जमा नहीं किया है'**

भिवाड़ी के पथरेड़ी औद्योगिक क्षेत्र में अवैध पटाखा बनाने वाली एक फैक्टरी में आग लग गई।

युवक की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। टीडी थाना क्षेत्र में कहासुनी होने के दौरान मारपीट करने से युवक की मौत हो गई। इस मामले में आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार पीडित खेमा पुत्र अम्बावा मीणा निवासी हाईलाकुई फला सकारी थाना टिडी ने20 अक्टूबर को पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। जिसमें उसने बताया कि मेरा 19 अक्टूबर को मेरा पुत्र हाजाराम मीणा (30) अपने घर से मेरे घर खाना खाने के लिए नदी के रास्ते आ रहा था। इस दौरान बीच रास्त में भीमा पुत्र कला मीणा निवासी हाईला कुई फला सकारी ने हाजूराम के पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। जिसके शरीर पर चौट लगने से घायल हो गया। चिल्लाने पर मैं व साथी जीवतराम पुत्र अम्बावा निवासी हाईला फला सकारी सरू मौके पर पहुंचे। जहां पुत्र हाजाराम को घायलावस्था में मौके से घर लेकर आए जहां रात में उसकी मौत हो गई। इस पर मृतक के शव को परसाद चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया। इधर इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर टीम ने अनुसंधान में मिले साक्ष्यों के आधार पर सरूपाल के जंगलों से आरोपी भीमा पुत्र कला निवासी हाईला कुई फला सकारी टीडी को डिटेन किया।

झुंझुनूं विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस की टिकट को लेकर जयपुर में घमासान

मुस्लिम न्याय मंच के संयोजक इमरान बड़गुजर के नेतृत्व में झुंझुनूं के सैंकड़ों कार्यकर्ताओं ने जयपुर में पीसीसी वॉर रूम के सामने धरना दिया।

- **मुस्लिम न्याय मंच के सैंकड़ों कार्यकर्ताओं ने पीसीसी वॉर रूम के सामने धरना दिया**

झुंझुनूं, (निसं)। मुस्लिम न्याय मंच के संयोजक इमरान बड़गुजर के नेतृत्व में झुंझुनूं से जयपुर आए सैंकड़ों कार्यकर्ताओं ने पीसीसी वॉर रूम के सामने धरना दिया और "टिकट नहीं, तो वोट नहीं" के बुलंद नारों से पीसीसी वॉर रूम को गुंजायमान कर दिया।

मुस्लिम न्याय मंच के प्रतिनिधियों ने राजस्थान कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर रंधावा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, राजस्थान कांग्रेस सह-प्रभारी चिरंजीव राव सहित वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर अपनी मांग रखी और ज्ञापन दिया। मुस्लिम न्याय मंच के संयोजक इमरान बड़गुजर ने बताया कि झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र से आज तक किसी मुस्लिम व्यक्ति को विधानसभा का टिकट नहीं दिया गया, जबकि मुस्लिम समाज आजादी से लेकर आज तक कांग्रेस के साथ खड़ा रहा है। अब समय आ गया है कि मुस्लिम समाज के किसी व्यक्ति को भी झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र से नेतृत्व करने का मौका मिले। बड़गुर्जर ने कहा कि देश-प्रदेश का मुस्लिम हमेशा कांग्रेस का वफादार रहा है, अब कांग्रेस की बारी है कि वो भी मुस्लिमों के प्रति अपनी वफादारी दिखाएं। बड़गुर्जर ने कांग्रेस पार्टी को कड़े शब्दों में चुनौती देते हुए कहा कि अगर झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र के 70 हजार मुस्लिम मतदाताओं की अनदेखी करके कांग्रेस पार्टी किसी और को टिकट देती है तो राजस्थान विधानसभा उप चुनाव की सभी सातों सीटों पर मुस्लिम समाज कांग्रेस पार्टी का विरोध करेगा और सभी प्रत्याशियों को बैरंग लौटाएगा।

उन्होंने कहा कि हम पार्टी के गुलाम नहीं है कि बस वोट देते रहे और अपने हक के लिए खड़े ना हो। मुस्लिम न्याय मंच किसी एक व्यक्ति विशेष की पैरवी नहीं कर रहा है, कांग्रेस पार्टी मुस्लिम समाज की 30 बिरादरी में से किसी भी मुस्लिम को टिकट दे दे, उन्हें मंजूर है, अन्यथा पार्टी परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहे। इमरान बड़गुजर ने बताया कि दशकों से एक ही परिवार झुंझुनूं का राजनीतिक प्रतिनिधि बना हुआ है। चाहे वो संसद हो या विधानसभा। अगर इस तरह से ही चलता रहा तो लोकतंत्र का अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा। समय और जनता की मांग है की झुंझुनूं में नेतृत्व भी बदले और मुस्लिम समाज को मौका मिले। इसीलिए मुस्लिम न्याय मंच मुखरता के साथ कांग्रेस पार्टी से झुंझुनूं विस. उपचुनाव में टिकट की मांग कर रहा है।

अवैध मादक पदार्थों के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

नोखा, (निसं)। पुलिस और डीएसटी टीम ने देर रात अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ दो अलग-अलग कार्रवाइयों में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

नोखा पुलिस थाने के थानाधिकारी हंसराज लूणा ने बताया कि पहली कार्रवाई में नोखा निवासी राममनोहर को गिरफ्तार किया गया, जिसके पास से 483 ग्राम अवैध अफीम और 17.5 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त की गई। दूसरी कार्रवाई में जांगलू निवासी ओमप्रकाश बिश्नोई के पास से 223.6 ग्राम अवैध अफीम बरामद की गई। दोनों आरोपियों के खिलाफ अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं और उनसे पूछताछ जारी है। पुलिस अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त से जुड़े अन्य लोगों का भी पता लगाने की कोशिश कर रही है।

इस अभियान में नोखा थाने के एसआई बुधाराम बिश्नोई, एएसआई ओमप्रकाश, कॉस्टेबल सतीश, बलबीर और डीएसटी बीकानेर टीम के एएसआई रामकरण सिंह, हेड कॉस्टेबल कानदान, महावीर और डीआर राजेन्द्र ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अधेड़ ने फांसी लगाई

गंगापुर सिटी, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र के सुभाष कॉलोनी कोलीपाड़ा में सोमवार को एक व्यक्ति ने फंदे से लटककर सुसाइड कर लिया। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया और परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली थाना अधिकारी जितेन्द्र सिंह ने बताया कि राजेश कुमार महावर (48) पुत्र घासी कोली निवासी सुभाष कॉलोनी कोलीपाड़ा गंगापुर सिटी ने कुंदे से फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। बाद में परिजन उसे गंगापुर सिटी के अस्पताल लेकर आए, जहां डॉक्टरों ने उसे जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। व्यक्ति के सुसाइड करने की सूचना पर काफी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और मेडिकल बोर्ड से शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पूर्व राज्य मंत्री मोहन मेघवाल का निधन

जोधपुर, (कासं)। मारवाड़ की राजनीति के पुरोधा पुरूष जनसंघ व भाजपा के वरिष्ठ नेता, पूर्व विधायक व राज्यमंत्री मोहन मेघवाल (भईसा) का सोमवार को निधन हो गया। ग़रीबों, दलितों, शोषितों के मसीहा के तौर पर मोहन मेघवाल का जीवन परम जनसेवा को समर्पित रहा। मंगलवार को उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। मोहन मेघवाल के आकस्मिक निधन पर राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत ने गहरा दुःख प्रकट करते हुए बताया कि मोहन मेघवाल के आकस्मिक निधन से भाजपा परिवार को काफी गहरा धक्का लगा है। मोहन मेघवाल ने सक्रिय राजनीति में रहते हुए जनता की सेवा की एवं संगठन के लिए भी काफी कार्य किया जो हमेशा याद रखा जायेगा।

मोहन मेघवाल

ईश्वर इनकी आत्मा को शान्ति प्रदान करें एवं परिजनों को इस ब्रजपात को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

हिरण शिकार मामले में एक गिरफ्तार

बज्जू, (निसं)। बज्जू क्षेत्र के सोलंकियों की ढाणी में हिरण शिकार के मामले बज्जू पुलिस और वन विभाग की पुलिस ने एक आरोपी गिरफ्तार किया है। देर रात्रि को सोलंकियों की ढाणी में हिरण शिकार की सूचना पर बज्जू पुलिस और कोलायत वन विभाग की पुलिस मौके पर पहुंची।

वन विभाग के रेंजर विक्रम सिंह ने बताया कि ग्रामीणों ने हिरण शिकार की सूचना दी कि सोलंकियों की ढाणी में हिरण का शिकार हुआ है। आरोपी को ग्रामीणों द्वारा कब्जे में लिया हुआ है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी सोनाराम (45) पुत्र जालूराम बावरी निवासी सोलंकियों की ढाणी को मौके पर गिरफ्तार किया। इसे लेकर लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

रेप व ब्लैकमेलिंग की शिकार पीड़िता ने कीटनाशक पीकर आत्महत्या की

आक्रोशित परिजनों व समाजजनों ने एमजी मोर्चरी के बाहर प्रदर्शन किया

भीलवाड़ा, (निसं.)। जिले के एक थाना क्षेत्र से रेप व ब्लैकमेलिंग की शिकार 19 साल की एक युवती की कीटनाशक पीने के बाद मौत हो गई। पीड़िता की मौत के बाद आक्रोशित परिजनों के साथ ही समाजजनों ने एमजी मोर्चरी के बाहर आरोपी की गिरफ्तारी की मांग करते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया। कई घंटों की समझाइश के बाद मामला शांत हो पाया।

जानकारी के अनुसार, जिले के एक थाने में एक व्यक्ति ने 16 अक्टूबर को रिपोर्ट दी कि उसकी 19 साल की अविवाहित बेटी को अनिल कुमार पुत्र रामचंद्र धाकड़ एक साल से लगातार ब्लैकमेल करते हुये उठा ले जाने और जबरन विवाह करने के लिए परेशान कर रहा था। करीब छह माह पहले परिवादी को उसकी बेटी ने बताया कि अनिल उसे ब्लैकमेल करता है और फोन कर परेशान भी करता है। उसके साथ अकेले में जबरदस्ती करता है। मना करने पर वह नहीं मानता। इसके चलते परिवादी ने अनिल को उसके घर जाकर उलाहना दी तो आरोपी के पिता रामचंद्र धाकड़ ने अनिल से गलती होने की बात कहते हुए दोबारा नहीं होने का आश्वासन दिया, लेकिन इसके बावजूद भी अनिल अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। 10 अक्टूबर की सुबह करीब पांच बजे परिवादी अपने घर के बरामदे में सोया हुआ था। उसकी बेटी कमरे में सो रही थी।

- **कई घंटों की समझाइश के बाद मामला शांत हो पाया, मामला दर्ज**

अचानक उसकी पुत्री के रोने-चिल्लाने और उल्टी करने की आवाज आई तो वह उठकर कमरे में गया, देखा कि उसकी पुत्री उल्टी कर रही है। परिवादी बेटी को एमजी अस्पताल लेकर आया तो रास्ते में बेटी ने उसे बताया कि अनिल धाकड़ लगातार उसे परेशान और ब्लैकमेल कर रहा था, शादी का दबाव बनाते हुए समाज ने बदनाम करने की धमकी दे रहा है। आरोपित अनिल से तंग आकर उसने कीटनाशक दवा पी ली है। इसके बाद वह रास्ते में ही बेहौश हो गई। एमजी अस्पताल में उसे भर्ती करवाया गया। 10 अक्टूबर से लगातार उसकी बेटी बेहौश है। डॉक्टर ने जांच कर परिवादी को बताया कि तुम्हारी बेटी ने कीटनाशक पी लिया है और वह चार माह की गर्भवती भी है।

परिवादी ने रिपोर्ट में आरोप लगाया कि उसकी बेटी को अनिल धाकड़ परेशान व ब्लैकमेल कर रहा है। इस रिपोर्ट पर पुलिस ने रेप, छेड़छाड़ व ब्लैकमेलिंग के आरोप में केस दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस मामले की जांच में जुटी थी कि इस बीच, सोमवार को इस पीड़ित युवती ने एमजी अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड, बसेड़ी

क्रमांक-626 दिनांक-16.10.2024

निविदा सूचना संख्या 03/2024-2025

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से बसेड़ी जिला धौलपुर में कुल 2 नं. पुलिया निर्माण के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों, राज्य सरकार के अन्य विभागों में पंजीकृत "एए", "बी", "सी" एवं "डी" श्रेणी संवेदकों एवं केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "एए", "बी", "सी" एवं "डी" श्रेणी संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित वेबसाईट "www.eproc.dipromlineorg" व http://www.pwd.rajasthan.gov.in/, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं "www.sppp.raj.nic.in" पर देखा जा सकता है। NIB NO.- PWD2425A2244, UBN NO. PWD2425WSOB08376, PWD2425WSOB08377

(सागर पाराशर)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड बसेडी

DIPR/C/10237/2024

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर, जिला ब्यावर राज.

गांधी उद्यान–ब्यावर रोड़, बिजयनगर
टैलीफोन नम्बर – 01462–230051 ई–मेल :– npvijaynagar@gmail.com

ऑनलाईन निविदा सूचना संख्या 05/2024–25

नगर पालिका बिजयनगर द्वारा राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से सिविल कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रीया से वेब साईट https://eproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती है। ऑनलाईन निविदा सूचना संख्या 05/2024–2025 के कार्य संख्या 01 से 86 की अनुमानित लागत 1594.99 लाख है। ऑनलाईन निविदाए दिनांक 22–10–2024 2024 से 04–11–2024 समय सांय 6:00 बजे तक डाउनलोड की जाकर दिनांक 05–11–2024 निविदा शुल्क, अमानत राशि एंव प्रोसेसिंग शुल्क की डी.डी. भौतिक रूप से समय 12:00 PM तक कार्यालय में जमा कराई जा सकती है। ऑनलाईन निविदा की ऑनलाईन निविदा खोलने की दिनांक 06–11–2024 समय प्रातः 10:00 बजे खोली जायेगी। अधिक जानकारी वेबसाईट https://sppp.raj.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।
UNB Reference No:- DLB2425A3453

राज.संवाद/सी/24/6788 अधिशाषी अधिकारी

RajCOMP Info Services Limited (RISL)

C-Block, 1st Floor, Yojana Bhawan, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipur.

RISL द्वारा निम्न ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है–

NIB code./ Date/ Unique bid no.	Particulars	Estimated Cost/ EMD	Start of sale/ Last date
RIS2425A0050/ 21.10.2024 (RIS2425SL OB00050)	RFP for hiring of agency for Upgradation (repair/replacement) and procurement of FMS & Comprehensive Annual Maintenance Contract (CAMC) of WS&APS Phase 1 Project in State of Rajasthan for 5 Years based on Open Competitive Bidding through e-Procurement/ e-Tender	Rs.42.24 Cr.	21.10.2024 13.11.2024

विस्तृत जानकारी हेतु इन वेबसाइट पर सम्पर्क करें – http://risl.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in, http://doitc.rajasthan.gov.in. and http://eproc.rajasthan.gov.in.

Raj.Samwad/C/24/6830 SA (Jt. Director)

बीकानेर नगर निगम

नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 0151-2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-Mail Address :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org

क्रमांक :- यंत्रालय/2024/701-10 दिनांक :- 18/10/2024

अल्पकालीन ई- निविदा सूचना सं0 -09

बीकानेर नगर निगम की ओर से रिको इंडस्ट्रियल एरिया (करणी इंडस्ट्रियल एरिया, खारा इंडस्ट्रियल एरिया, बीछवाल इंडस्ट्रियल एरिया एवं रानी बाजार इंडस्ट्रियल एरिया) के लिगेसी वेस्ट को हटाने एवं परिवहन कार्य हेतु बैक–हो–लोडर (JCB) एवं डम्पर मय चालक/ऑपरेटर, रखरखाव, POL सहित 02 माह के लिए उपलब्ध करवाने के कार्य हेतु इच्छुक एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड एवं अपलोड तथा www.sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किये जा सकते है।

कार्य की अनुमानित लागत :– 67.00 लाख। अतिआवश्यक कार्य होने पर अल्पकालीन ई–निविदा। UBN Number :- DLB2425SLOB10846

राज.संवाद/सी/24/6808 आयुक्त, नगर निगम, बीकानेर

कार्यालय अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, संभाग प्रथम-जोधपुर

क्रमांक- 2302 दिनांक-15.10.2024

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या 14/पीएमजीएसवाई/2024-25
NIB NO. PWD2425A2210

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत जारी वित्तीय प्रोत्साहन राशि सेसडक नवीनीकरण कार्य के निम्नलिखित कार्यों मय पांच साल की मरम्मत के लिए 2 पैकेज हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://pwd.rajasthan.gov.in व http://pmgsytendersraj.gov.in पर देखा जा सकता है। पैकेजवाईज यू.बी.एन संख्या निम्नानुसार है।
1. PWD2425WSOB08248, 2. PWD2425WSOB08249
इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेब साईट http://pmgsytendersraj.gov.in पर रजिस्टर्ड होना आवश्यक है।

ई-साईन
(एन.सी. शर्मा)
अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता,
सा.नि.वि संभाग प्रथम, जोधपुर

DIPR/C/10125/2024

राजस्थान सरकार — कार्यालय अधिशाषी अभियंता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

राजकीय जनाना चिकित्सालय परिसर, मोरी चार बाग-भरतपुर 321001 (राज.)
eemhbharatpur@gmail.com, ee-mh-bharatpur@gov.in, Mob. 9602097030

क्रमांक- M&H /2024-25/2017 दिनांक- 10.10.2024

निविदा सूचना संख्या-09/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत विभिन्न कार्य जिला भरतपुर/डीग/धौलपुर/करौली में रू. 80.00 लाख के निर्माण कार्य हेतु राजस्थान सरकार के समकक्ष उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में सिविल कार्यो हेतु पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेबसाईट www.dipronline.Org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।

UBN NO.	
NIB CODE: MHS2425A2431	
1. Construction of IPHL at DH, Distt-Karauli	UBN is: MHS2425WSOB03455

(एल.के. अग्रवाल) अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, भरतपुर

DIPR/C/10132/2024

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड टोडाभीम

क्रमांक-1806-1814 दिनांक-16.10.2024

संशोधन ई-निविदा सूचना संख्या 07/2024-25

इस कार्यालय की ई-निविदा सूचना संख्या 07/2024-25 जो पत्र क्रमांक 1620-1628 दिनांक 04.10.2024 से जारी हुई है। जिसके प्रकाशन बाबत इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 1629 दिनांक 04.10.2024 द्वारा डी.पी.आर. को समाचार पत्रों में प्रकाशन हेतु भिजवाया गया है। जो डीआईपीआर के आदेश क्रमांक DIPR/C/9605/2024 दिनांक 07.10.2024 तथा एसपीपी पोर्टल पर एनआईबी कोड संख्या PWD2425A1998 से प्रकाशित हुई है। जिसकी तिथियों में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है।

विवरण	पूर्व प्रकाशित तिथियां	संशोधित तिथियां
फार्म मिलने/जमा कराने की तारीख	दिनांक 08.10.2024 प्रात 10.00 बजे से दिनांक 21.10.2024 को सायं 6.00 बजे तक	दिनांक 08.10.2024 प्रात 10.00 बजे से दिनांक 30.10.2024 को सायं 6.00 बजे तक
निविदा खोलने की तारीख	दिनांक 22.10.2024 सायं 4.00 बजे	दिनांक 01.11.2024 अपरान्ह 4.00 बजे तक

नोट-निविदा की शेष शर्ते यथावत रहेगी।

(के.के. मीना)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड टोडाभीम

DIPR/C/10146/2024

राजस्थान सरकार — कार्यालय अधिशाषी अभियंता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

राजकीय जनाना चिकित्सालय परिसर, मोरी चार बाग-भरतपुर 321001 (राज.)
eemhbharatpur@gmail.com, ee-mh-bharatpur@gov.in, Mob. 9602097030

क्रमांक- M&H /2024-25/1184 दिनांक- 04.10.2024

निविदा सूचना संख्या-07/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत विभिन्न कार्य जिला भरतपुर/डीग/धौलपुर/करौली में रू. 380.00 लाख के निर्माण कार्य हेतु राजस्थान सरकार के समकक्ष उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में सिविल कार्यो हेतु पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेबसाईट www.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।

UBN NO.
NIB CODE: MHS2425A2321

1.	Construction of DDC Distt. Deeg	UBN is: MHS2425WSOB03315
2.	Construction of LMU Badi, Distt-Dholpur	UBN is: MHS2425WSOB03316
3.	Construction of BCMO office at Saipau, Disst-Dholpur	UBN is: MHS2425WSOB03317
4	Construction of PHC Machhariya, Distt-Dholpur	UBN is: MHS2425WSOB03318
5.	Construction of SHC Bagren, Disst- Bharatpur	UBN is: MHS2425WSOB03320
6.	Construction of SHC Khankhera, Distt-Bharatpur	UBN is: MHS2425WSOB03321
7.	Construction of SHC Rahimgarh, Distt-Bharatpur	

(एल.के. अग्रवाल)
अधिशाषी अभियन्ता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, भरतपुर

DIPR/C/10134/2024

कार्यालय नगर परिषद् प्रतापगढ़, जिला-प्रतापगढ़ (राज.)

क्रमांक :- न.प.प्र./निर्माण शाखा/2024-25/5445 दिनांक :- 18/10/2024

ई टेण्डरिंग निविदा सूचना संख्या : 07/2024-25

नगर परिषद् प्रतापगढ़ द्वारा नगर परिषद प्रतापगढ़ एवं राजस्थान सरकार के समुचित वर्ग के सूचीबद्ध ठेकेदारों/ संवेदको एवं केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न उपयुक्त श्रेणी के सवेंदकों के समकक्ष हो उनसें निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई–प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण इंटरनेट साईट http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

निविदा में कुल कार्य	01
निविदा की कुल लागत	22.16 लाख
निविदा की धरोहर राशि	अनुमानित लागत की 2 प्रतिशत/नगर परिषद् पंजीकृत संवेदक ½ प्रतिशत
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने की दिनांक	दिनांक 19.10.2024 प्रातः 10.00 बजे से दिनांक 25.10.2024 सांय 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की दिनांक	दिनांक 19.10.2024 से 25.10.2024 सांय 6.00 बजे तक
निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि डिमांड ड्राफ्ट अथवा बैंकर चैक कार्यालय में भौतिक रूप से जमा करवाने की दिनांक	दिनांक 28.10.2024 प्रातः 10.00 बजे से सायं 01:00 बजे तक
ऑनलाईन Technical & Financial Bid निविदा खोलने की दिनांक	दिनांक 28.10.2024 प्रातः 03.00 बजे

निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेब साईट http://sppp.rajasthan.gov.in तथा http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।
UBN No.: DLB2425WSOB10805

राज.संवाद/सी/24/6807 सभापति नगर परिषद प्रतापगढ़ आयुक्त नगर परिषद प्रतापगढ़

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड राजाखेडा

क्रमांक-1048-62 दिनांक-15.10.2024

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या- 03/2024-25
NIB CODE PWD2425A2185 and UBN IS: PWD2425WSOB08140, PWD2425WSOB08141, PWD2425WSOB08142, PWD2425WSOB08143

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड राजाखेडा जिला धौलपुर में सडक एवं पुलिया मरम्मत कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों, राज्य सरकार के अन्य विभागों में पंजीकृत "एए", "ए", "बी", "सी" एवं "डी" श्रेणी संवेदकों एवं केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "एए", "ए", "बी", "सी" एवं "डी" श्रेणी संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाई "www.eproc.dipronlineorg" व http://www.pwd.rajasthan.gov.in/, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं "www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

क्र. सं.	मुख्यालय का नाम	कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड राजाखेडा
1	निविदा का कार्य	पैच मरम्मत एवं पुलिया मरम्मत कार्य
2	निविदा की कुल लागत	रु. 56.74 लाख
3	निविदा शुल्क, प्रोसेसिंग शुल्क एवं धरोहर राशि जमा कराने की प्रक्रिया	वित्त विभाग द्वारा जारी परिपत्र प.(5)/वित्त/साविलेनि/2018 दिनांक 27.04.2020 के अनुसार ई-ग्रास चालान पर ऑनलाईन एक ही चालान द्वारा निम्न बजट मद में जमा करानी है। 1. निविदा शुल्क 0075-00-800-52-01 2. प्रोसेसिंग शुल्क 8658-00-102-(16)-(02) (निर्माण विभाग) (RISL Fees) 3. धरोहर राशि 8443-00-108-00-00
4	निविदा आवेदन/डाउनलोड करने की तारीख (वेबसाइट पर)	दिनांक 16.09.2024 प्रातः 11.00 बजे दिनांक 24.10.2024 सायं 6.00 बजे तक
5	निविदा फार्म जमा कराने की तारीख (वेबसाइट पर)	दिनांक 16.09.2024 प्रातः 11.00 बजे दिनांक 24.10.2024 सायं 6.00 बजे तक
6	निविदा खोलने की तारीख (वेबसाइट पर)	दिनांक 25.10.2024 सायं 04.00 बजे

(डी.के. गुप्ता)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड राजाखेडा

DIPR/C/10204/2024

'मूंधड़ा ट्रस्ट द्वारा बेटियों के पढ़ने के लिए बनाये स्कूल भवन को पीढ़ियां याद रखेंगी'

बीकानेर, (कासं)। नापासर के गीतादेवी बागड़ी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय को पीएमश्री विद्यालय स्तर के विद्यालय के रूप में विकसित किया जायेगा। यहां कोई भी स्वीकृत पद रिक्त नहीं रहेगा। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सोमवार को नापासर के गीता देवी बागड़ी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान यह घोषणा की।

उन्होंने कहा कि श्रीमती सीएम मूंधड़ा मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा अपनी कमाई में से गांव की बेटियों के पढ़ने के लिए भव्य स्कूल भवन बनाया है। यह अनुकरणीय कार्य है। आने वाली पीढ़ियां इसे याद रखेंगी। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से भी यहां सुविधाओं में कोई कमी नहीं आने दी जायेगी। पीएम श्री स्कूल को मिलने वाली सभी सुविधाएं यहां मुहैया करवाई जायेगी। दिलावर ने गांव के स्कूल में खेल मैदान बनाने की सैद्धांतिक स्वीकृति दी और कहा कि एक सप्ताह में लिखित स्वीकृति भी दे दी जायेगी।

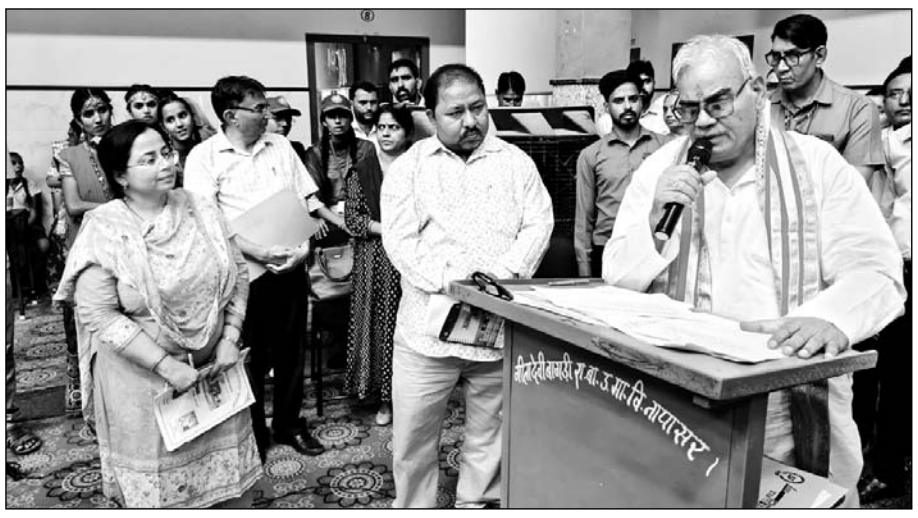

नापासर के गीता देवी बागड़ी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम को शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने संबोधित किया।

■ शिक्षा मंत्री ने कहा नापासर के गीता देवी बागड़ी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय को पीएमश्री विद्यालय स्तर के विद्यालय के रूप में विकसित किया जायेगा

उन्होंने बीकानेर के राजकीय नेत्रहीन विद्यालय में सीटें और मैस का भत्ता बढ़ाने का आश्वासन दिया और कहा कि सी.एम. मूंधड़ा मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा यहां प्रस्तावित छात्रावास बनाने की स्वीकृति भी जल्दी ही दे दी जायेगी। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री ने कस्बे की सफाई व्यवस्था पर असंतोष जताया तथा इसमें सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अगली बार निरीक्षण के दौरान यदि सफाई व्यवस्था चाक चौबंद नहीं मिली तो संबंधित विकास अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी तथा सरपंच इसके लिए जिम्मेदार होंगे। उन्होंने प्लास्टिक और पॉलिथीन का उपयोग नहीं करने का आव्हान किया और बताया कि प्रदेश में प्रतिवर्ष गंदगी और पॉलिथीन के दुष्प्रभावों से लगभग साढ़े सात लाख लोग मृत्यु को प्राप्त होते हैं।

इससे बचने के लिए पॉलिथीन के उपयोग को रोकना और सफाई व्यवस्था बनाए रखना जरूरी है। दिलावर ने निर्देश दिए कि जिले की स्कूलों में पॉलीथिन और प्लास्टिक के किसी वस्तु का उपयोग नहीं हो। स्कूल परिसर में साफ-सफाई रखें तथा स्कूल परिसर पूर्णतया नशा मुक्त हो।

जिला उद्योग संघ के अध्यक्ष द्वारका प्रसाद पचीसिया ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने सीएम मूंधड़ा मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा नापासर में करवाए जा रहे विकास कार्यों की जानकारी दी। स्कूल प्राचार्य सुमन स्वामी ने स्कूल का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस दौरान बालिकाओं ने विभिन्न संस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। शिक्षा मंत्री ने बालिकाओं द्वारा बनाए गए विज्ञान के मॉडल्स का अवलोकन किया। बीकानेर पंचायत समिति के प्रधान लालचंद आसोपा ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान सी. एम. मूंधड़ा मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट के श्रीकिशन मूंधड़ा, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहन लाल, उप प्रधान रामप्रताप कस्वां, ओम सारस्वत, अनिल शुक्ला, अखिलेश प्रताप सिंह, श्रवण सिंह शेखावत, बनवारी शर्मा, जसवंत दईया, रतिराम तावनिया, राजाराम ओझा, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी महेन्द्र शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी गजानंद सेवक आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन रविन्द्र हर्ष ने किया।

शिक्षा मंत्री ने नापासर में राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। यहां सीएम मूंधड़ा मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा बनाए गए कक्षों का अवलोकन किया। बच्चों से गणित के सवाल पूछे। बच्चों ने संस्कृत के विभिन्न श्लोक सुनाए। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ने की सीख दी। श्रीकिशन मूंधड़ा ने उन्हें यहां करवाये गए विभिन्न कार्यों के बारे में बताया। शिक्षा मंत्री ने यहां निर्माणाधीन बालिका महाविद्यालय भवन का अवलोकन किया।

यहां चार दिवारी का निर्माण सी.एम. मूंधड़ा मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा करवाया गया है। भवन निर्माण पर सरकार द्वारा स्वीकृत से अधिक राशि लगने पर उसका व्यय भी ट्रस्ट द्वारा किया जायेगा। श्रीकिशन मूंधड़ा ने कहा कि सरकार द्वारा साइंस और कॉमर्स की मान्यता मिलने की स्थिति में ट्रस्ट द्वारा अतिरिक्त भवन का निर्माण करवा दिया जायेगा। शिक्षा मंत्री ने इस संबंध में उच्च स्तर पर वार्ता करते हुए सकारात्मक परिणाम का भरोसा दिलाया।

धान मंडी श्रमिकों में मारपीट

अनूपगढ़, (कासं)। यहां की नई धान मंडी में देर रात एक ही दुकान पर काम करने वाले मजदूरों के बीच शराब के नशे में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर कापों से हमला कर दिया। झगड़े में जब अन्य श्रमिक बीच-बचाव के लिए आये तो वे भी विवाद की चपेट में आ गए और चोटिल हो गए।

इस घटना में कुल 6 मजदूर घायल हो गए। जिनमें से एक की हालत गंभीर होने पर उसे उच्च केन्द्र के लिए रेफर कर दिया गया है। सूचना मिलने पर अनूपगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। नई धान मंडी में हुई इस लड़ाई की सूचना पुलिस थाने में दी गई थी। एएसआई राजेंद्र बिश्नोई मौके पर पहुंचे लेकिन तब तक विवाद करने वाले सभी मजदूर तीतर-बीतर हो चुके थे।

एएसआई राजेन्द्र बिश्नोई ने बताया कि पुलिस ने किसी तरह से स्थिति को शांत किया और दोनों पक्षों में हुए विवाद में घायल हुए 6 व्यक्तियों को अनूपगढ़ के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। घायलों में मनदीप पुत्र सुबोध, निवासी मध्यपुरा, बिहार, सचिन पुत्र मनोज शाह, निवासी भागलपुर, बिहार, संजीव पुत्र जट्टू शाह, निवासी भागलपुर, बिहार, रघुवीर पुत्र सदानंद, निवासी मधेपुरा, बिहार, सुजीत कुमार पुत्र विनोद यादव, निवासी मधेपुरा, बिहार और ललित कुमार पुत्र विनोद यादव, निवासी मधेपुरा, बिहार शामिल हैं।

सिर में अंदरूनी चोट आने के कारण श्रमिक संजीव को श्रीगंगानगर के हायर सेंटर रेफर किया गया है। एएसआई बिश्नोई ने बताया कि पुलिस दोनों पक्षों की रिपोर्ट के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

सार-समाचार

66 प्रतिभाओं को सम्मानित किया

रामस्वरूप जाखड़ स्मृति सम्मान-समारोह में प्रतिभाओं का सम्मान किया।

बीकानेर, (कासं)। इंजीनियर रामस्वरूप जाखड़ की स्मृति में संस्कार सीनियर सैकण्डरी स्कूल, उदासर रोड में सम्मान- समारोह का आयोजन किया गया। संयोजक सरोज जाखड़ एवं विक्रम स्वरूप जाखड़ ने बताया कि समारोह मे विभिन्न क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य, सृजनात्मक सोच एवं कौशल में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले लगभग 66 प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व गृह एवं परिवहन मंत्री वीरेंद्र बेनिवाल, डॉ. देवाराम गोदारा, शारदा एच. एल. ढाका उप प्राचार्य डाइट बीकानेर, डॉ. ओमप्रकाश जाखड़ प्राचार्य इंजीनियरिंग कॉलेज बीकानेर, का. पवन सारण, डॉ. अजय चौधरी, सरोज जाखड़, शेर सिंह गजराज द्वारा स्वागत किया गया। वीरेंद्र बेनिवाल ने कहा कि स्व.रामस्वरूप जाखड़ की दी गयी सेवाएं सर्वदा किसान समाज के लिए अविस्मरणीय रहेगी। उन्होंने उत्कृष्ट सेवाएं देने के साथ-साथ समाज में सुधार के लिए प्रेरणादायी कार्य किये। शारदा एच. एल. ढाका ने कहा कि पहले संसाधनों का अभाव एवं विपरीत परिस्थितियों के बाद भी नहर निर्माण में उनका योगदान हमेशा यादगार रहेगा। डॉ. देवाराम गोदारा ने सम्मान समारोह की महत्ता सार्थकता बताई और कहा कि यह अनूठी पहल प्रेरणादायक है। डॉ. जाखड़ ने बताया कि यह एक अच्छी पहल है जो समाज के लोगों को प्रेरित करेगी।

छात्राओं ने दिखाया दमखम

नोखा, (कासं)। पीएम श्री बाबा छोटू नाथ राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल में 6 वीं जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता 17 और 19 वर्ष छात्रा वर्ग के आयोजन के तीसरे दिन कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने अपना दमखम दिखाया। प्रधानाचार्य नारायण दत्त ने बताया कि इस प्रतियोगिता के सफल संचालन में एनसीसी, एनएसएस, स्काउट के विद्यार्थियों का भरपूर सहयोग रहा व उनके कार्यों की सराहना की। शारीरिक शिक्षक ओमप्रकाश जाखड़ ने परिणामों की जानकारी देते हुए बताया कि 17 वर्ष वर्ग में तश्तरी फेंक में अंकिता सारण, प्रियंका सियाग, वंदना बाधेला क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पर व लम्बी कूद में मोनिका, आशा गोदारा, ज्योति व 100 मीटर बाधा दौड़ में मोनिका, गीता कुमारी, राधा नायक क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रही। 19 वर्ष वर्ग में 100 मीटर बाधा दौड़ में प्रतिमा, सुशीला मेघवाल, प्रियंका राहड़ क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रही। इस दौरान मीडिया प्रभारी लेखराम गोदारा, उप प्रधानाचार्य गजानन्द सारस्वत, व्याख्याता पूनमचंद सियाग, महेन्द्र मंडाल, राकेश लीलड़, मनोज प्रजापत, मोहम्मद आरिफ खान, सुनील भार्गव, सुरेश डेलू, उर्मिला बिश्नोई, शारीरिक शिक्षक व निर्णायक दल आदि स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

कंज्यूमर केयर अभियान शुरू

बीकानेर, (कासं)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा दीपावली के मद्देनजर सोमवार से कंज्यूमर केयर अभियान शुरू किया गया। यह अभियान 30 अक्टूबर तक जारी रहेगा। अभियान के तहत मिठाई, सूखे मेवे, बेकरी उत्पाद इत्यादि के साथ डब्बा तोलने, कम माप-तौल एवं पैकेजिंग नियमों में निर्धारित मापदंडों के तहत बिक्री नहीं करने जैसे कदाचारों की रोकथाम की जायेगी। संभागीय उपभोक्ता संरक्षण अधिकारी एवं जिला रसद अधिकारी वीरेन्द्र सिंह चौधरी के निर्देशानुसार बीकानेर संभाग मुख्यालय पर विधिक माप विज्ञान अधिकारी भंवर सिंह राठौड़ के नेतृत्व में प्रर्वतन निरीक्षक पवन सुथार एवं मनीष अवस्थी की टीम बनाई गई है। यह टीम अभियान के दौरान विधिक माप विज्ञान अधिनियम 2009 तथा इसके अंतर्गत बनाये गए नियमों के तहत निरीक्षण कार्रवाई करेंगे। अभियान के तहत सोमवार को लूणकरनसर में दो स्थानों श्री एंटरप्राईजेज तथा मोदी डेयरी का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वहां उपयोग होने वाले कांटों में कुछ कांटों का सत्यापन नहीं होना पाया गया तथा उन पर सील भी नहीं पाई गई। इनमें अधिनियम के नियमों की पालना नहीं पाए जाने पर 12 हजार रूपए की शास्ति वसूल की गई।

दशहरा कमेटी के पात्र सम्मानित

बीकानेर, (कासं)। श्रीराम लक्ष्मण दशहरा कमेटी द्वारा दशहरा उत्सव के निमित्त विभिन्न अभिनीत पात्रों, रूप सज्जाकारों, कार्यकर्ताओं व कार्यक्रम संचालकों का प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया। राम लक्ष्मण भवन में आयोजित सम्मान समारोह में शोभायात्रा प्रमुख व कोषाध्यक्ष गिरीश खत्री ने शोभा यात्रा की त्रिआयामी विशेषताओं के बारे में बताते हुए कहा कि पात्रों का चयन उनके अनुरूप किये गये थे। नारी पात्रों सहित सभी पात्रों का प्रभावी सजीव मेक-अप और सभी पात्रों का शोभायात्रा के दौरान अनुशासन पूर्ण व गरिमामय व्यवहार विशिष्ट श्रेणी का रहा। झांकी निर्माण व पथ संचालन प्रमुख प्रवीण अरोड़ा ने पात्रों को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए उनके धर्म, कला और संस्कृति के जुड़ाव की भावना की भूरि-भूरि प्रशंसा की। पात्र चयन प्रमुख अनिल दुल्याणी ने अपने संदेश में जितेन्द्र वर्मा, हीरा सोनी, विवेक देवड़ा आदि रूप सजाकारों की कला की सराहना की। 75 पात्रों से सुसज्जित इस दशहरा शोभा यात्रा के विशेष पात्रों में गणेश पांडे, शेखर सोनी, दीपक तनेजा, राजीव नैयर, भवानी शंकर सोनी, रवि भाटी, किशन लाल व्यास, सुरेन्द्र गहलोत, बाबूलाल व्यास, केशव गहलोत, विवेक दावड़ा, महावीर सोलंकी, का प्रभावशाली भूमिका रही वहीं नारी पात्रों में वंशिका, ईशिका, भूमिका, ईशिता, ओजस्वी, नताशा, लावण्य, जयश्री ने सराहनीय प्रदर्शन किया। झांकी संचालक जगदीश मदान ने शोभा यात्रा कार्य सहयोग हेतु सचिन भाटिया, मनीष, मोहित भटनागर, गौरव शर्मा, यथार्थ भादाणी को प्रतीक चिन्ह प्रदान किये। कार्यक्रम का संचालन गिरीश खत्री ने किया। आभार महासचिव सुभाष भोला ने ज्ञापित किया।

बीकानेर में रेजिडेंट डॉक्टर्स हड़ताल पर, मरीज परेशान

बीकानेर, (कासं)। अपनी पुरानी मांगों को लेकर बीकानेर संभाग के सबसे बड़े हॉस्पिटल की व्यवस्थाएं लड़खड़ा गई है। पीबीएम हॉस्पिटल में करीब साढ़े पांच सौ रेजिडेंट डॉक्टर्स काम करते हैं। ये सभी हड़ताल पर चले गए जिससे अधिकांश ऑपरेशन स्थगित हो गए हैं। वहीं ओपीडी भी पूरी तरह प्रभावित है।

सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. अभिजीत यादव ने बताया कि राज्य सरकार को पहले भी मांगें बताई थी लेकिन तब सिर्फ आश्वासन दिया गया। अब फिर से हड़ताल करने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं था। हड़ताल के चलते एसपीएमसी के साढ़े पांच सौ डॉक्टर्स ने काम बंद कर दिया है। सोमवार को कोई भी रेजिडेंट डॉक्टर्स ऑपरेशन थियेटर में नहीं गया है। ऐसे में बड़ी संख्या में ऑपरेशन स्थगित करने पड़े हैं। बहुत आवश्यक होने पर सीनियर डॉक्टर ही ऑपरेशन कर रहे हैं।

■ पीबीएम हॉस्पिटल की चिकित्सा व्यवस्था लड़खड़ाई अधिकांश ऑपरेशन स्थगित

पिछली बार हुई हड़ताल के 45 दिन बीत जाने के बाद भी सरकार ने अब तक कोई निर्णय नहीं किया है। ऐसे में एसोसिएशन ने जयपुर स्तर पर सरकार को अल्टीमेटम दिया था। पांच दिन पहले कार्य बहिष्कार किया था, ताकि सरकार कोई निर्णय करें। इसके बाद कुछ सेवाओं से रेजिडेंट डॉक्टर्स ने हड़ताल की ओर अब पूरी तरह हड़ताल कर दी है।

रेजिडेंट डॉक्टर्स की हड़ताल के चलते पीबीएम अस्पताल के जिन विभागों में सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है, उनमें गायनिक शामिल है। जहां डिलीवरी का अधिकांश काम रेजिडेंट डॉक्टर्स ही देखते हैं। इसके अलावा सर्जरी विभाग में हर रोज ऑपरेशन होते हैं। मेडिसिन डिपार्टमेंट में भी रोगियों की भारी भीड़ रहती है। यहां भी रोगी परेशान हो रहे हैं।

वहीं दूसरी तरफ बीकानेर में मौसमी बीमारियों का संकट है। हर रोज तीस से चालीस डेंगू रोगी के अलावा मलेरिया और चिकुनगुनिया के रोगी भी सामने आ रहे हैं। रेजिडेंट्स के हड़ताल पर होने से सीनियर डॉक्टर्स को समय देना पड़ रहा है। देर तक रूकने के बाद भी सभी रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण नहीं हो पा रहा है। राज्य स्तर पर चल रहे आंदोलन के बीच बीकानेर के रेजिडेंट डॉक्टर्स की स्थानीय मांगें भी अर्से से अधूरी है।

विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिता

बीकानेर,(कासं)। पश्चिमी क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की कबड्डी टीम को अटारी जोधपुर के पूर्व निदेशक डॉ एस. के. सिंह और कुलपति डॉ अरूण कुमार ने सोमवार को हरी झंडी दिखाकर विश्वविद्यालय परिसर से रवाना किया।

कुलपति डॉ अरूण कुमार ने सभी खिलाड़ियों को खेल में बेहतरीन प्रदर्शन हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ निर्मल सिंह दहिया, वीसी के ओएसडी डॉ योगेश शर्मा, खेल सचिव डॉ वी.एस. आचार्य, श्रीकिशन सिंह, नेमाराम समेत खिलाड़ी उपस्थित थे। निदेशक छात्र कल्याण डॉ निर्मल सिंह दहिया ने बताया कि पश्चिमी क्षेत्रीय अंतर विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत कबड्डी का आयोजन 19 से 24 अक्टूबर तक झुंझुनूं के जे. जे. टिबरेवाल विश्वविद्यालय में आयोजित किया जा रहा है।

बिना लाइसेंस पटाखे बेचने पर होगी कार्रवाई

हनुमानगढ़, (कासं)। दीपावली पर्व पर कानून व्यवस्था व शांति बनाए रखने एवं अप्रिय घटना से बचाव के लिए जिला कलेक्टर कानाराम ने पटाखा दुकानदारों और जिलेवासियों से अपील की है।

■ दुकान के बाहर लाइसेंस नम्बर के पोस्टर चस्पा करना जरूरी

उन्होंने कहा है कि कोई भी दुकानदार बिना लाइसेंस और दुकान के बाहर रखकर आतिशबाजी/पटाखों का विक्रय नहीं करें। दुकान में चार बाल्टी मिट्टी, पानी का ड्रम, कम्बल सहित दुर्घटना से बचाव के लिए उचित व्यवस्था रखें। किसी अनहोनी घटना के होने पर तुरंत फायर बिठोड, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी, एम्बुलेंस एवं सिटी कंट्रोल रूम को सूचित कर बचाव कार्य करें।

जिला कलेक्टर ने कहा है कि धमाका, जैट, रॉकेट व हवाई जहाज जैसे पटाखों का विक्रय नहीं करें। स्टॉक रजिस्टर का नियमित संधारण किया जाए। विस्फोटक एक्ट की पूर्ण पालना करें। दुकान के बाहर बड़े अक्षरों में आवंटित लाइसेंस नम्बर के पोस्टर चस्पा करें। दुकान के अंदर और बाहर धूम्रपान नहीं करें और निषेध की जानकारी अवश्य लगाए।

दुकानदारों को उच्चतम न्यायालय के पटाखों के संबंध में लगाई शर्तों की पालना करनी होगी। आमजन को किसी भी तरह से परेशानी नहीं होनी चाहिए। जिला कलेक्टर ने कार्यालय से जारी दिशा-निर्देशों की पूर्ण पालना सुनिश्चित करने के लिए टीम गठित की हैं। इसमें उपखंड मजिस्ट्रेट हनुमानगढ़, उप पुलिस अधीक्षक (शहर) और फायर ऑफिसर, नगर परिषद होंगे।

छठ घाट की सफाई व चौके लगाने की मांग

हनुमानगढ़, (कासं)। श्री छठ पूजा समिति के बैनर तले पूर्वांचल वासियों ने विधायक गणेश राज बंसल से मुलाकात की। इस मौके पर उन्होंने जंक्शन में सूरतगढ़ रोड, आईटीआई कॉलोनी के पास चुंगी नम्बर 8 से निकलने वाली नहर पर बनाये गए छठ घाट की साफ-सफाई करवाने और चौके लगवाने की मांग की।

समिति पदाधिकारियों ने विधायक को अवगत करवाया कि उन्होंने नगर परिषद सभापति रहते समय चुंगी नम्बर आठ से निकलने वाली नहर पर चौके लगवाने की घोषणा की थी। उन्होंने विधायक से मांग की कि चौके लगवाकर उस घोषणा को पूरा किया जाए। साथ ही छठ घाट की साफ-सफाई करवाई जाए। इस पर विधायक ने तत्काल नगर परिषद सभापति से फोन पर बात कर चौके लगवाने की बात कही। इस पर पूर्वांचलवासियों ने विधायक का आभार व्यक्त करते हुए खुशी जताई। श्री छठ पूजा समिति की ओर से सूरतगढ़ रोड, चुंगी नम्बर आठ, आईटीआई कॉलोनी में पांच नवम्बर से आठ नवम्बर तक छठ महोत्सव मनाया जायेगा। छठ महोत्सव की तैयारियों के संबंध में रविवार रात को समिति सदस्यों की बैठक जंक्शन में हुई।

■ पांच से आठ नवम्बर तक छठ महोत्सव मनाया जायेगा

251 लोगों को कपड़े व जूते वितरित

श्रीगंगानगर, (कासं)। हेल्प इंडिया फाउंडेशन की टीम 6 वर्षों से अपनी सेवाएं जरूरतमंद लोगों तक पहुंचा रही है। दिवाली पर्व को लेकर टीम की ओर से इसकी शुरूआत करवा चौथ के दिन 251 जरूरतमंद लोगों को गर्म कपड़े, जूते खिलौने डोर-टू-डोर लोगों को वितरित कर नेक कार्य किया।

इस फाउंडेशन की टीम ने श्रीगंगानगर के यूआईटी रोड, सरकारी अस्पताल के पास साई बाबा मंदिर के पास बनी झुग्गी-झोंपड़ियों में गरीब और निर्धन बच्चों व परिवारों को निशुल्क वस्त्र वितरित किए। इसी कड़ी के चलते संस्था के संस्थापक व अध्यक्ष विनोद राजपूत ने बताया कि इस बार दिवाली ऐसी गरीब परिवार लोगों के साथ मना रहे हैं।

कीड़े लगा युवक का शव झाड़ियों में मिला

अनूपगढ़, (कासं)। जिले के सरकारी बॉयज स्कूल के सामने सोमवार को सुबह करीब 11:30 बजे झाड़ियों में एक 23 वर्षीय युवक का शव मिला है। सबसे पहले यह शव सरकारी बॉयज स्कूल के सामने स्थित मंदिर के पुजारी ने देखा और इसकी सूचना अनूपगढ़ पुलिस थाने में दी।

सूचना मिलने पर एएसआई कालूराम मीणा मौके पर पहुंचे। मौके पर जुटी भीड़ में से किसी ने शव की शिनाख्त अजीत उर्फ जीतू निवासी प्रेमनगर के रूप में की। एएसआई बताया कि शव की पहचान होने के बाद पुलिस मृतक अजीत पुत्र पालाराम निवासी वार्ड नंबर 3 के मूलचंद पुत्र केसराराम को उसके घर से लेकर आई और अजीत के शव की पुष्टि करवाई। मृतक का मामा शव को देखकर फूट-फूट कर रोने लगा। जिस समय शव मिला उसे समय शव पर कीड़े चल रहे थे। मृतक की जेब से एक इंजेक्शन और नशे की गोलियां मिली है। पुलिस ने बताया कि हो सकता है अजीत की मौत नशे के इंजेक्शन के कारण हुई है। पुलिस ने शव को अनूपगढ़ के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। सरकारी बॉयज स्कूल के सामने स्थित शिव मंदिर के पुजारी ने बताया- वो आज सुबह मंदिर के आसपास सफाई कर रहा था। सफाई के दौरान उसे झाड़ियों के पास एक शव दिखाई दिया। जैसे ही शव दिखाई दिया। उसने इसकी सूचना राहगीरों को दी और देखते-देखते मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। भीड़ में से किसी ने इसकी सूचना अनूपगढ़ पुलिस थाने में दे दी। मृतक के मामा ने बताया कि अजीत बचपन से ही उनके पास रह रहा था। वह एक टैंट हाउस पर मजदूरी करता था। उन्होंने बताया कि पिछले 3 दिनों से अजीत घर पर नहीं आया था और वह मेडिकल नशा करने का आदी है। मौके पर पहुंचे एएसआई कालूराम मीणा ने बताया कि मृतक की जेब से इंजेक्शन और नशे की गोलियां मिली है।

■ मृतक की जेब से इंजेक्शन और नशे की गोलियां मिली

स्टेशन पर सिनेमा व बाज़ार बनाना जनता की कमाई का दुरूपयोग : वाई. के. योगी

बीकानेर, (कासं)। रेलवे फाटकों की समस्या सात दशकों से है और समय समय पर इसके समाधान के लिए जन आंदोलन भी हुए हैं। हाल ही में अंडरपास बनाने की चर्चा चली जिसका विभिन्न संगठनों/वर्गों ने विरोध किया है।

समाचार पत्रों में रेलवे स्टेशन पर 500 करोड़ रूपये की लागत से दस मंज़िला बिल्डिंग में सिनेमा हॉल तथा माल बनाने की खबर आई है। जिससे काफी समय से आन्दोलनरत जन समुदाय सक्रिय हुआ और गैर राजनौतिक जनसमूह के नाम से व्यापारी, कर्मचारी और आमजन ने रेलवे मंडल प्रबंधक कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन कर रेलवे फाटक के प्रतीक का पुतला फूंका।

जनता को संबोधित करते हुए वाई. के. शर्मा योगी ने कहा कि स्टेशन रोड पर स्थित मॉल की दुकानें अभी भी खाली पड़ी हैं। शहर के पांच प्रमुख सिनेमा हॉल बंद हो गये हैं। ऐसी स्थिति में स्टेशन पर सिनेमा व बाज़ार बनाना हास्यास्पद एवं जनता की कमाई का दुरूपयोग है।

बीकानेर में रेलवे फाटकों की समस्याओं को लेकर शहर के लोगों ने रेल फाटकों के प्रतीक का पुतला फूंक कर विरोध जताया।

शहर की प्रमुख समस्या 50 बार बंद होने वाला रेलवे फाटक है। जबकि सरकार रेलवे स्टेशन के सौन्दर्यकरण के नाम पर सैंकड़ों करोड़ रूपये फूंकना चाहती है। शहर के सामाजिक संगठनों, व्यापारिव संघों, ट्रेड यूनियनों, छात्र संगठनों और अन्य संस्थाओं से संपर्क कर आंदोलन तेज किया जायेगा।

योगी के साथ सुरेश शर्मा, अनिल व्यास, सुरेश गहलोत, राजू मूलचंदानी ने डीआरएम को इस विषय में ज्ञापन भी दिया। प्रदर्शन में नलिन सारवाल, जगदीश गुल्लू, राजकुमार भाटिया, भवानी शंकर, विजय शंकर, राम अवतार, प्रेम गहलोत आदि शामिल थे।

■ रेलवे स्टेशन पर 500 करोड़ रूपये की लागत से दस मंज़िला बिल्डिंग में सिनेमा हॉल तथा माल बनाने का विरोध

शहादत देने वाले पुलिसकर्मियों को याद किया

श्रीगंगानगर, (कासं)। ड्यूटी के दौरान शहादत देने वाले पुलिस कर्मियों को सोमवार को पुलिस शहीद दिवस पर याद किया गया। शहर के पुलिस लाइन में हुए आयोजन में एसपी गौरव यादव ने पुलिस कर्मियों को याद करते हुए अमर जवान ज्योति के प्रतीक पर पुष्प चक्र अर्पित किया।

शहर के सभी थानों के थानाधिकारियों सहित कई पुलिस कर्मियों ने अमर जवान ज्योति के प्रतीक पर पुष्प अर्पित किए। पुलिस कर्मियों ने मौन रखकर शहीद रखकर शहीद पुलिस कर्मियों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। फायर कर शहीदों के प्रति सम्मान जताया गया। पुलिस के उच्च अधिकारियों ने पुलिस के कर्तव्यों के बारे में बताते हुए कहा कि पुलिसकर्मी 24 घंटे तक लगातार ड्यूटी देते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी परिवार के साथ होली और दिवाली जैसे त्योहार नहीं मनाकर अपनी ड्यूटी पर तैनात रहते हैं।

सर्दी में रेल लाइनों पर ट्रैक मेंटेनर करेंगे रात को गश्त

श्रीगंगानगर, (कासं)। आने वाले दिनों में सर्दी बढ़ने के मद्देनजर रेलवे ने नई व्यवस्था की है। कम तापमान से रेललाइन के सिकुड़ने एवं कोहरे में रेल संचालन को लेकर आने वाले परेशानियों को देखते हुए रात के समय ट्रैक मेंटेनर की व्यवस्था की गई है। ये ट्रैक मेंटेनर ट्रैक पर निर्धारित दूरी तक नजर रखेंगे। इन ट्रैक मेंटेनर को विशेष किस्म के डेटोनेटर उपलब्ध करवाए जायेंगे।

■ पटरी टूटे होने पर सूचना लोको पायलट को देंगे

इन डेटोनेटर को ट्रैक मेंटेनर रेल लाइन फैक्चर होने पर गाड़ी आने की दिशा में एक निश्चित दूरी पर रेललाइन पर फिट करेगा ताकि इंजन के व्हील इस डेटोनेटर के ऊपर से गुजरेंगे तो डेटोनेटर तेज आवाज के साथ फूटेगा और लोको पायलट को इस आवाज को सुनकर गाड़ी की गति को नियंत्रित करते हुए खतरे के स्थान से पहले ही गाड़ी रोकने की जानकारी मिलेगी। इस तरह खतरा टाला जा सकेगा।

कोहरे की स्थिति में रेल हादसों की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे में बीकानेर मंडल में 287 पैसेंजर ट्रेन व लगभग 120 गुड्स ट्रेनों में लोको पायलटों को फोग डिवाइस दी जायेगी। यह डिवाइस कोहरे के समय लोको पायलट को सिगनल के संबंध में सही सूचना देगी।

यह फोग डिवाइस यह बतायेगी कि अब आगे किस तरह का सिगनल आने वाला है। यह डिवाइस लगभग 2000 मीटर से पहले ही लोको पायलट को आने वाले सिगनल के बारे में सूचित करना शुरू कर देगा। इससे लोको पायलट अपनी गाड़ी की गति को नियंत्रित करते हुए आगामी सिगनल को सुरक्षित पार करने के लिए तैयार रहता है। नवम्बर के अंत तक यहां कोहरा आने की संभावना रहती है।

पशुपालकों के फोन पर त्वरित प्रभाव से मोबाइल वेटरनरी यूनिट पहुंचें : कलेक्टर

बीकानेर,(कासं)। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने पशुपालन विभाग द्वारा संचालित मोबाइल वेटरनरी यूनिट का पूरा लाभ पशुपालकों तक पहुंचाने के लिए ब्लाक वाइज शेड्यूल बनाते हुए इनकी तैनाती की समुचित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए हैं। जिला कलेक्टर ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि पशुपालकों के फोन पर त्वरित प्रभाव से मोबाइल वेटरनरी यूनिट पहुंचे इसके लिए इनकी तैनाती से पहले रूट चार्ट बनाएं तथा इसकी सूचना आस-पास के पशु चिकित्सा केन्द्र के कार्मिकों को भी रहें। उन्होंने मेडिकल वैन में आवश्यक दवाईयां, वैक्सीन व उपकरण सहित अन्य संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इन मोबाइल वाहनों में पशु चिकित्सक, ड्राइवर व पशुधन सहायक तैनात रहें।

उन्होंने गोपालन क्रेडिट कार्ड योजना की समीक्षा की तथा स्वीकृत ऋण के संबंध में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर वृष्णि ने दीपावली पर्व के मद्देनजर निगम को रात्रिकालीन साफ- सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने डोर टू डोर कलेक्शन, सीवरेज सफाई, कचरे समुचित उठाव सहित अन्य व्यवस्थाएं करवाने को कहा। उन्होंने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल रोकने के लिए पर्यावरण विभाग और नगर निगम द्वारा विशेष अभियान चलाया जाएं। शहरी क्षेत्र में पिंक टॉयलेट निर्माण हेतु भूमि चिन्हित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि डेंगू की रोकथाम और नियंत्रण के लिए स्वास्थ्य विभाग को एंटी लार्वा, सोर्स रिडक्शन सहित अन्य गतिविधियां नियमित रूप से आयोजित करवाना सुनिश्चित करें। शहर के डेंगू प्रभावित संवेदनशील क्षेत्रों में नगर निगम द्वारा आवश्यकता अनुसार फॉगिंग करवाई जाएं।

जिला कलेक्टर ने जलदाय विभाग को टीम गठित करते हुए ग्राउंड लेवल रिजर्वायर की सफाई मिशन मोड पर करवाने के निर्देश दिए। जल का दुरूपयोग किसी भी स्तर पर ना हो, इसके लिए अवैध कनेक्शन काटे जाएं व संबंधित के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने श्रम विभाग को मनरेगा साइट पर कैम्प आयोजित करके पात्र निर्माण श्रमिकों का योजनाओं में पंजीयन करवाने के निर्देश दिए। कैम्प के माध्यम से श्रम विभाग की अन्य योजनाओं की जानकारी भी श्रमिकों को दी जाए।

बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, सार्वजनिक निर्माण विभाग, पंचायती राज विभाग, स्थानीय निकाय विभाग की बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन सहित अन्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) डॉ दुलीचंद मीना, अतिरिक्त जिला कलेक्टर (नगर) रमेश देव, यूआईटी सचिव डॉ अर्पणा गुप्ता, नगर निगम आयुक्त मयंक मनीष, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहनलाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बीकानेर कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक को संबोधित किया।

- 'इन मोबाइल वाहनों में आवश्यक दवाईयां, वैक्सीन व उपकरण व पशु चिकित्सक, ड्राइवर व पशुधन सहायक तैनात रहें'
- मोबाइल वेटरनरी यूनिट की तैनाती से पहले रूट चार्ट बनाएं तथा इसकी सूचना आस-पास के पशु चिकित्सा केन्द्र के कार्मिकों को भी रहनी चाहिए

गंगानगर स्थापना दिवस 26 को

श्रीगंगानगर, (कासं)। गंगानगर स्थापना दिवस समारोह 26 अक्टूबर के अवसर पर तीन दिवसीय विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

जिला कलेक्टर डॉ. मंजू ने बताया कि जिला पर्यटन विकास स्थाई समिति की बैठक में लिये गये निर्णयों के अनुसार 25 अक्टूबर को प्रात: 9 बजे राजकीय कन्या महाविद्यालय, मल्टीपर्पज स्कूल, डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय, गुरूनानक स्कूल व कॉलेज, राजकीय विद्यालय 4 नम्बर में चारदीवारी पर वॉल पेंटिंग की जायेगी। इसी दिन राजकीय कन्या महाविद्यालय में पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता दोपहर 2 से सायं 5 बजे तक आयोजित की जायेगी। इन कार्यक्रमों के लिये मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी को नोडल तथा नगर परिषद के प्रेम चुघ को सहायक नोडल बनाया गया है।

26 अक्टूबर को प्रात: 8 बजे महाराजा गंगासिंह चौक पर माल्यार्पण कार्यक्रम होगा। इसकी व्यवस्था आयुक्त नगर परिषद द्वारा की जायेगी। इसी दिन प्रात: 8.30 बजे शिवपुर हैड पर पूजा अर्चना, हवन व सर्वधर्म प्रार्थना सभा आयोजित होगी। इसकी व्यवस्था जल संसाधन विभाग के अधीक्षण अभियंता देखेंगे। प्रात: 9.15 बजे वन विभाग द्वारा शिवपुर हैड पर पौधारोपण कार्यक्रम होगा। 9.30 बजे शिवपुर हैड पर प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आमंत्रित लोक कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, ग्रामीण हॉट आयोजन, फूड, हस्तशिल्प स्टॉल, झूले इत्यादि होंगे।

सार-समाचार

वस्त्र चित्रकला उद्यमिता प्रशिक्षण

वस्त्र चित्रकला उद्यमिता प्रशिक्षण का निरीक्षण आरसेटी के कार्यवाहक निदेशक वायुनंदन व्यास ने किया।

बीकानेर, (कासं)। आरसेटी (रूरल सेल्फ एम्प्लॉयमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट) बीकानेर द्वारा कोलासर में संचालित वस्त्र चित्रकला उद्यमिता प्रशिक्षण का सोमवार को समापन हुआ। आरसेटी के कार्यवाहक निदेशक एवं जिला अग्रणी बैंक के मुख्य प्रबंधक वायु नन्दन व्यास ने प्रशिक्षण का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को वस्त्र चित्रकारी के कौशल में पारंगत कर उन्हें स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना है। व्यास ने कार्यक्रम की गतिविधियों का निरीक्षण किया और प्रशिक्षुओं से मुलाकात की। उन्होंने प्रशिक्षण की प्रगति के बारे में जानकारी ली तथा प्रशिक्षुओं को उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण में महिलाओं और युवतियों को वस्त्रों पर चित्रकारी की विभिन्न तकनीकें सिखाई जा रही हैं, जो भविष्य में स्वयं का व्यवसाय शुरू करने में मददगार होगी। इससे महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। व्यास ने प्रशिक्षकों और आयोजकों को इस महत्वपूर्ण पहल के सफल संचालन के लिए बधाई दी और भविष्य में और भी व्यापक स्तर पर इस प्रकार के प्रशिक्षण आयोजित करने का सुझाव दिया।

आंगनबाड़ी का औचक निरीक्षण किया

पाटन । महिला एवं बाल विकास विभाग के उपनिदेशक संजय चेतानी ने गुहाला सेक्टर के अनेक आंगनबाड़ी केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया, जिसमें आंगनबाड़ी केन्द्र गोविन्दपुरा-सी तथा जस्सी का बास में शाला पूर्व शिक्षा हेतु पंजीकृत बच्चों की उपस्थिति बहुत कम मिलने पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका को नोटिस जारी किया गया। आंगनबाड़ी केन्द्र बोराणों की ढाणी का निरीक्षण दोपहर डेड बजे किया गया। केन्द्र पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सरोज देवी अनुपस्थित मिली, वहीं शाला पूर्व शिक्षा हेतु पंजीकृत 13 बच्चों में से केन्द्र पर एक भी बच्चा उपस्थित नहीं मिला। सहायिका ने बताया कि बच्चों की समय से पूर्व डेड बजे ही छुट्टी कर दी गई। केन्द्र पर चारों ओर गन्दगी फैली हुई थी। इस पर कार्यकर्ता सरोज देवी और सहायिका विनोद कंवर को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है।आंगनबाड़ी केन्द्र गोविन्दपुरा-बी पर शाला पूर्व शिक्षा हेतु पंजीकृत 13 में से 11 बच्चे मौके पर उपस्थित मिले, केन्द्र पर साफ-सफाई भी अच्छी मिली। आंगनबाड़ी केन्द्र झाकड़ा में शाला पूर्व शिक्षा हेतु पंजीकृत 10 में से 07 बच्चे उपस्थित मिले।

योग को करें दिनचर्या में शामिल

झुंझुनूं । श्री राधेश्याम आर मोरारका राजकीय महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ द्वारा राजस्थान राज्य महिला नीति 2021 के अंतर्गत सोमवार को ध्यान एवं योग विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र सिंह न्यौला ने छात्राओं को योग एवं ध्यान क्रिया को अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिए कहा। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. आकांक्षा डूडी ने कहा कि वर्तमान जीवन शैली में शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए योगासन तथा ध्यान क्रिया अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने योग एवं ध्यान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि छात्र-छात्राओं में बढ़ते अवसाद, तनाव एवं गुस्से को योग एवं ध्यान क्रिया द्वारा धीरे-धीरे कम किया जा सकता है।

दीपावली स्नेह मिलन समारोह 25 को

चूरू, (कासं.)। भूतोड़िया परिवार सुजानगढ़ की ओर से 25 अक्टूबर शुक्रवार को दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन होगा। दीपावली स्नेह मिलन समारोह सुबह साढ़े ग्यारह बजे कोठारी रोड़ स्थित सेठिया गार्डन में होगा।

खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन किया

चूरू, (कासं.)। स्थानीय कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में 17वीं जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन सोमवार को हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा संतोष कुमार महर्षि थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाध्यापिका विमला ने की। वहीं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एपीसी रामनिवास पूनियां, हरिप्रसाद शर्मा, बालिका शिक्षा प्रभारी व कार्यक्रम संयोजक अविनाश सहारण, सुरेन्द्र महला, प्रधानाचार्य रामकिशन कस्वां, प्रधानाचार्य पुरुषोतम सोनी, विनय सोनी, गुगन राम जांगिड़ व रामप्रसाद परिहार थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा संतोष कुमार महर्षि ने दीप प्रज्वलित करके व ध्वजारोहण कर किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये एडीपीसी संतोष महर्षि ने कहा कि हर खिलाड़ी जीत नहीं सकता और हर खिलाड़ी हार नहीं सकता। महर्षि ने कहा कि खेलों के माध्यम से हमें सीख मिलती है। महर्षि ने कहा कि चूरू के खिलाड़ी हमें गौरवान्वित कर रहे हैं।

'किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए अनुशासन होना बहुत जरूरी'

विप्र फाउंडेशन द्वारा विशाल प्रतिभा सम्मान व विप्र सम्मेलन का आयोजन

सरदारशहर, (निसं)। गांधी विद्या मंदिर के राम मंच प्रांगण में रविवार को विप्र फाउंडेशन सरदारशहर के द्वारा विशाल प्रतिभा सम्मान एवं विप्र सम्मेलन का आयोजन समाजसेवी मांगीलाल पारीक की अध्यक्षता किया गया। प्रतिभा सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय संस्थापक सुशील ओझा, विशिष्ट अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष मधुसूदन राजपुरोहित, राष्ट्रीय सचिव मुकेश रामपुरा, जेठानंद व्यास विधायक बीकानेर, ताराचंद सारस्वत विधायक श्री डुंगरगढ., अभिनेष महर्षि पूर्व विधायक रतनगढ़, सीमा मिश्रा प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ, जय श्री दाधीच जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ, दीपक हर्ष जिला अध्यक्ष, धनसुख सारस्वत प्रदेश अध्यक्ष, श्यामलाल जोशी प्रदेश सचिव, विद्याधर पारीक प्रवक्ता, सुनील मिश्र प्रदेशाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ आदि मंचस्थ अतिथियों ने विप्र फाउंडेशन के बैनर तले विप्र समाज की 500 प्रतिभाओं का सम्मान किया। कार्यक्रम का षुभारंभ भगवान परषुराम के समक्ष दिपप्रज्जवलन से हुआ। तत्पष्चात खुषी पारीक के नेतृत्व में देव पब्लिक स्कूल की छात्राओ ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय संस्थापक सुशील ओझा ने विप्र सम्मेलन को संबोधित करते हुए पहली सीख यह की हममें अनुषासन होना चाहिए अगर हम अनुषासीत नही है तो किसी भी क्षेत्र में आगे नही बढ. सकते यहि आगे बढ.ना है तो सबसे पहले हमें अनुषासीत होना पडेगा। ओझा ने समर्थ राष्ट्र, उन्नत समाज व स्वजातीय गतिशीलता के भाव को साकार करते हुए विप्र समाज में एकजुटता का आव्हान किया। सम्मानित प्रतिभाओं को लक्ष्य के साथ आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी।कार्यक्रम में विषिष्ट अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष मधुसूदन राजपुरोहित, आदि ने भी विचार व्यक्त करते हुए समाज के संगठन पर जोर दिया। परशुराम भवन व कन्या छात्रावास बनाने के लिए गोपी राम बोचिवाल एवं मधुसूदन राजपुरोहित ने भवन व छात्रावास के लिए जमीन देने की घोषणा की। समाजसेवी मांगीलाल पारीक ने 11 लाख रुपए व आशीष मिश्रा परिवार ने दो कमरे निर्माण की घोषणा की।

कुमावास में मुख्य अतिथि विप्र फाउंडेशन के संस्थापक सुशील ओझा व अन्य अतिथियों का 31 किलो की माला पहनाकर स्वागत करते हुए स्थानीय पदाधिकारीगण ।

- कार्यक्रम में 500 प्रतिभाओ को सम्मानित किया

बीकानेर के दो मंत्रियों को सौंपी झुंझुनूं की जिम्मेदारी

बीकानेर, (कासं)। भाजपा ने उपचुनाव वाली प्रत्येक विधानसभा में दो-दो मंत्रियों को लगाया है। झुंझुनूं में अविनाश गहलोत को प्रभारी और मंत्री सुमित गोदारा को सह प्रभारी लगाया है।

वे कई दिनों से वहां डेरा डाले हुए हैं। सीएम से लेकर तमाम नेताओं के दौरे हो रहे हैं। इसलिए चुनाव की हार-जीत में मंत्री अविनाश गहलोत और सुमित गोदारा की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है। इसी विधानसभा सीट पर कांग्रेस ने भी गोविंदराम मेघवाल को आब्जर्वर बनाकर भेजा है। गोविंदराम कांग्रेस के सीनियर एस.सी. लीडर हैं। अनुसूचित जाति के वोटरों को लुभाने के लिए पार्टी ने गोविंद मेघवाल को वहां भेजा है। उनकी नियुक्ति एआईसीसी ने की है। ऐसे में ये मुकाबला झुंझुनूं से बाहर बीकानेर के लिए भी हो गया है।

बीकानेर के लोगों की भी नजरें झुंझुनूं विधानसभा पर टिकी रहेंगी। वहां के मुकाबले को लोग बीकानेर के भी दो नेताओं के बीच तौलने लगे हैं। उपचुनावों को लेकर दोनों ही पार्टियों ने अपनी पूरी ताकत लगा रखी है। कोई भी पार्टी एक भी सीट पर कोई कोर कसर बाकी नहीं रखना चाहती। ऐसे में जातीय समीकरण से लेकर स्थानीय समीकरण तक सभी पार्टियों की नजर है। फैसला जो भी हो बीकानेर के दो दिग्गजों की प्रतिष्ठा भी दांव पर रहेगी।

छठ पूजा महोत्सव 7 को

श्रीगंगानगर, (कासं)। छठ पूजा सेवा समिति की ओर से छठ पूजा के आयोजन की तैयारियों को लेकर पब्लिक पार्क में बैठक आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष उमेश चौधरी ने की। समिति के महासचिव किशन मिश्रा ने बताया कि समिति के तत्वावधान में 7 नवम्बर को भव्य छठ पूजा महोत्सव तीन पुली जैड माइनर नहर पर आयोजित किया जायेगा। छठ महोत्सव 5 नवम्बर को नहाय खाय से शुरू होगा। बुधवार को रात 9:15 बजे खरना अपने-अपने घरों में करेंगे व 7 नवम्बर को छठ पूजा महोत्सव तीन पुली नहर के किनारे मनाया जायेगा।

शत-प्रतिशत एमओयू धरातल पर उतारने के रहेंगे प्रयास : सुराणा

चूरू, (कासं.)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने सोमवार को डीओआईटी वीसी सभागार में प्रवेश प्रतिनिधियों के साथ वार्ता कर राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टर मीट-2024 के जिला स्तरीय कार्यक्रम के आयोजन की जानकारी साझा की। इस दौरान एडीपीआर कुमार अजय, उद्योग महाप्रबंधक नानुराम गहनोलिया, रीको आरएम एसके गुप्ता, उद्योग सहायक आयुक्त उजाला, एपीआरओ मनीष कुमार, जिला उद्योग एवं वाणिज्य अधिकारी दशरथ कुमार सेन सहित अधिकारी एवं मीडियाकर्मी मौजूद रहे।

- कलक्टर अभिषेक सुराणा ने प्रेस वार्ता कर राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टर मीट-2024 के जिला स्तरीय कार्यक्रम की जानकारी दी

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जिला कलेक्टर सुराणा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान यूनिवर्सिटी में अभी तक जिले में 2288.75 करोड़ रुपए के 90 एमओयू किए गए हैं। जिला मुख्यालय पर होटल शक्ति पैलेस में 23 अक्टूबर को राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टर मीट-2024 कार्यक्रम का जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सुराणा ने बताया कि ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से भी एमओयू किए जा रहे हैं। जिले में किए गए एमओयू में सभी सेक्टर को टच करने का प्रयास किया गया है। जिले में निवेश को बढ़ाने के लिए एनआरआई व नॉन राजस्थान रेजीडेंट लोगों को प्रेरित करने के लिए प्रयास किए गए हैं। इसी के साथ जिले की औद्योगिक प्रगति को बढ़ावा देने के लिए बैंकर्स, प्रोफेशनल फॉर्म्स, कमर्शियल टैक्स डिपार्टमेंट के माध्यम से अधिकतम टैक्स भुगतान करने वाले लोगों व निवेशकों को प्रेरित कर निवेश को बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। कलक्टर सुराणा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टर मीट-2024 के तहत किए जाने वाले सभी एमओयू को शत प्रतिशत जिले के धरातल पर उतारकर औद्योगिक प्रगति को और अधिक बढ़ाने के प्रयास रहेंगे। इसके लिए जिला प्रशासन एवं उद्योग विभाग द्वारा अधिकतम प्रयास रहेंगे। जिले के औद्योगिक विकास के लिए नए प्रोजेक्ट पर काम करने के प्रयास रहेंगे।

तीन मकानों में चोरी की

झुंझुनूं, (निसं)। शहर में चोरों का लगातार अटैक जारी है। एक ही दिन में तीसरी चोरी सामने आई है। बीती रात चोरों ने केके कॉलोनी के दो मकानों में चोरी की वारदात की थी। तो वहीं अब सदर थाने के पीछे स्थित सरस्वती कॉलोनी में स्थित एक मकान में और चोरी होने की जानकारी सामने आई है। विवेक कुमार ने बताया कि वह और उनका परिवार सीकर रहता है। पांच महीने पहले तक उनकी मां सरस्वती कॉलोनी स्थित मकान में रहती थी। लेकिन उनकी तबियत नासाज होने के कारण वह भी उनके साथ सीकर रहने लगी। 13 अक्टूबर को उन्होंने अपने जानकार को भेजकर घर चैक करवाया गया था।

रंगा की जयंती पर बाल साहित्य वितरण करना पुस्तक संस्कृति को बल देता है : किरण

बीकानेर, (कासं)। राजस्थानी हिन्दी देश के ख्यातनाम साहित्यकार, रंगकर्मी, चिंतक, आलोचक, अनुवादक, सम्पादक एवं शिक्षाविद् कीर्तिशेष लक्ष्मीनारायण रंगा की 93वीं जयंती के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय समारोह का आगाज आज प्रात: राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक एल.बी.डी. विद्यालय की बालिकाओं को शाला प्राचार्य किरण पंचारिया एवं वरिष्ठ अध्यापक अविनाश व्यास के सानिध्य में बाल साहित्य का नि:शुल्क वितरण किया गया।

इस अवसर पर प्रज्ञालय के आशीष रंगा एवं शिक्षाविद् हेमलता व्यास एवं पूनम स्वामी का सानिध्य रहा। प्रज्ञालय के कमल रंगा ने बताया कि बालिकाओं को पुस्तक वितरण करवाने के अवसर पर प्राचार्य किरण पंचारिया ने कहा कि संस्था द्वारा बालिकाओं को अध्ययन हेतु नि:शुल्क बाल साहित्य वितरण ही कीर्तिशेष रंगा को सच्ची श्रृद्धांजलि तो है ही साथ ही संस्था की इस क्षेत्र में यह एक महत्वपूर्ण सकारात्मक पहल भी है। जिसके लिए संस्था साधुवाद की पात्र हैं। इस अवसर पर शाला के वरिष्ठ अध्यापक अविनाश व्यास ने कहा कि निश्चित तौर पर रंगा की स्मृति में यह कार्यक्रम पुस्तक संस्कृति एवं पठन प्रवृत्ति को सम्बल देने का सार्थक प्रयास है। इसके लिए उनके परिजन प्रशंसा के पात्र हैं।

प्रज्ञालय के आशीष रंगा ने बताया कि कीर्तिशेष रंगा की स्मृति में आजादी री अलख, विज्ञान आस-पास, राजस्थानी बाल कहानियां एवं मुगती बाल साहित्य की 161 पुस्तकों को बालिकाओं में स्नेहपूर्वक वितरण किया गया। जिसे उत्साह के साथ बालिकाओं ने ग्रहण किया। वरिष्ठ शिक्षाविद राजेश रंगा ने बताया कि लक्ष्मीनारायण रंगा की जयंती समारोह के प्रथम दिवस के दूसरे सत्र में कीर्तिशेष लक्ष्मीनारायण रंगा की हिन्दी, राजस्थानी की 160 विभिन्न विधाओं की पुस्तकों एवं अप्रकाशित साहित्य की प्रदर्शनी का उद्घाटन लक्ष्मीनारायण रंगा सृजन सदन में एक नवाचार के तहत बालक ही भविष्य है की अवधारणा के चलते बालिका कृतिका रंगा, हर्षिता रंगा एवं ध्वनि रंगा ने किया। उद्घाटन करते हुए बालिका कृतिका रंगा ने कहा कि मैं बाल साहित्य पढती हूं हर बालक-बालिका को बाल साहित्य पढना चाहिए।

लक्ष्मीनारायण रंगा की 93 वीं जयंती पर राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक एल.बी.डी. विद्यालय की बालिकाओं को शाला प्राचार्य किरण पंचारिया ने बाल साहित्य वितरित किया।

- बाल साहित्य की 161 पुस्तकों को बालिकाओं में वितरण किया

एस.पी.एम.सी. की छात्राओं ने जीता नेशनल कबड्डी टूर्नामेंट

बीकानेर, (कासं)। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज की एमबीबीएस में अध्ययनरत छात्राओं की टीम ने कबड्डी प्रतियोगिता में इंटर कॉलेज नेशनल टूर्नामेंट में जीत हासिल की है।

इस अवसर पर प्राचार्य एवं नियंत्रक डॉ. गुंजन सोनी ने विजेता टीम को अपने कक्ष में बधाई प्रेषित की और कहा पढ़ाई के साथ साथ खेल क्षेत्र में भी एसपीएमसी के विद्यार्थी अपने कौशल का परिचय दे रहे हैं। कबड्डी टीम की कप्तान दिव्या चाहर ने बताया कि 10 से 14 अक्टूबर तक आयोजित इस कबड्डी टूर्नामेंट में देश भर से कुल 10 टीमों ने भाग लिया। इसमें 13 अक्टूबर को एम्स ऋषिकेश में फाइनल मैच हुआ। जिसमें सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज की टीम ने पतंजली बीएएमएस की टीम को हराकर टूर्नामेंट में जीत हासिल की। दिव्या चाहर (कप्तान), सरोज बिजारणिया, कृष्णा शर्मा, सुमन चौधरी, मोनिका गोयल, शुभांशी गुप्ता तथा हिमानी ने अपनी मेहनत से एसपीएमसी को जीत दिलाकर टूनामेंट कॉलेज को समर्पित किया।

दीपावली पर्व पर प्रशासनिक व्यवस्थाओं के संबंध में सौंपे दायित्व

पाटन । जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट नीमकाथाना शरद मेहरा ने आदेश जारी कर 29 अक्टूबर 2024 से 3 नवम्बर 2024 तक धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा तथा भैया दूज के अवसर पर पुलिस अधीक्षक नीमकाथाना, अधीक्षण अभियन्ता अजमेर विधुत वितरण निगम लि., अधीक्षण अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी विभाग, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, प्रमुख चिकित्सा अधिकारी कपिल राजकीय चिकित्सालय, आयुक्त, नगर परिषद, महाप्रबन्धक, भारत संचार निगम सीकर व नीमकाथाना को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के संबंध में दायित्व सौंपे गये है।

जिला कलक्टर ने पुलिस प्रशासन को नीमकाथाना जिला क्षेत्र में दीपावली के अवसर पर पूर्णतया सुरक्षा व्यवस्था, सतर्क निगरानी व्यवस्था के लिए उचित पुलिस कर्मियो की व्यवस्थाएं करने तथा किसी प्रकार की अप्रिय घटना ना हो, इस के लिए सतत् निगरानी सभी संवेदनशील स्थानों पर रखी जावे एवं संदिग्ध वस्तुओं तथा व्यक्तियों की जांच सुनिश्चित की जावे। नीमकाथाना जिला क्षेत्र में यातायात व पार्किंग की समुचित व्यवस्था के साथ-साथ पर्याप्त यातायात पुलिस कर्मियों की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जावें। पार्किंग स्थलो पर किसी प्रकार की कोई अवांछित वस्तु या लावारिस वाहन जिसमें बैग इत्यादि लटक रहा हो या सामान रखा हो उसकी अच्छी तरह से जांच कर ली जावे ताकि किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना घटित न हो।

जिला कलक्टर मेहरा ने नगर परिषद नीमकाथाना को दीपावली के अवसर पर शहर के मुख्य बाजारों में विशेष रोशनी व्यवस्था, सजावट को देखने व खरीददारी के लिये बडी संख्या में लोग जाते है। इसलिए शहर के सभी प्रमुख बाजारों में विशेष सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराई जावे। शहर में सभी स्थानों से कूडे के ढेर दीपावली से पहले ही उठवायें जावे ताकि किसी प्रकार से आगजनी व विस्पोटक सामग्री का कोई अन्देशा नही रहे। इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाकर दिन-रात वाहन, कर्मचारी लगाये जाकर सफाई व रोशनी की भी व्यवस्था सुनिश्चित कराई जावे।

अभी मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण यह है कि मैं स्वयं को पूरा फिट रखूं और यह देखूं कि अगर मैं ऑस्ट्रेलिया गया तो पूरी तरह से फिट होकर वहां जाऊं। मुझे पता है कि ऑस्ट्रेलिया में हमें किस तरह की गेंदबाजी करनी होगी। -मो. शमी

भारतीय गेंदबाज, अपनी फिटनेस को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

साक्षी मलिक

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पूर्व पहलवान साक्षी मलिक ने कहा कि पिछले साल विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया का एशियाई खेलों के ट्रायल्स से छूट लेने के फैसले से बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ उनके विरोध प्रदर्शन की छवि प्रभावित हुई क्योंकि इससे यह अभियान स्वार्थी दिखने लगा। साक्षी इस विरोध प्रदर्शन के तीन मुख्य पहलवानों में से एक थीं, उन्होंने हाल में रिलीज हुई अपनी किताब 'विटनेस' में इसके अलावा अपने करियर के संघर्षों के बारे में भी लिखा है। जब बजरंग और विनेश के करीबी लोगों ने उनके दिमाग में लालच भरना शुरू किया तो उनके विरोध प्रदर्शन में दरार आने लगी।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट में लगातार कैच आउट होने का रिकॉर्ड पाकिस्तान के इमरान खान के नाम है। इमरान अगस्त 1982 से नवंबर 1986 तक लगातार 19 पारियों में कैच आउट हुए।

न्यूजीलैंड के कारण भारत को हुआ नुकसान

डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए टीम इंडिया कैसे करेगी क्वालीफाई

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में टीम इंडिया को 8 विकेट से करारी हार झेलनी पड़ी। जिसके बाद कीवी टीम 1-0 से आगे है। इस हार के साथ ही भारत का डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने का गणित बिगड़ गया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से पहले डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में भारत का जीत का प्रतिशत 74.24 था, जो अब घटकर 68.06 का रह गया है। हालांकि, टीम इंडिया अभी भी पॉइंट्स टेबल में पहले पायदान पर बनी हुई है। भारत को के मौजूदा चक्र में 7 और मुकाबले खेलने हैं। इन 7 में दो मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत पुणे और मुंबई में खेलेगा, वहीं बचे 5 मैच टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्हीं की सरजमीं पर खेलने हैं।

भारत को अपने दम पर डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए क्वालीफाई करना है तो 7 में से 5 मैचों में जीत दर्ज करनी होगी। अगर टीम इंडिया ऐसा करने में कामयाब रहती है तो अंत में उनके खाते में 68.42 प्रतिशत अंक होंगे। पिछले दो डब्ल्यूटीसी चक्र पर नजर डालें तो भारत ने 2021 में 70.58 प्रतिशत अंकों के साथ तो, 2023 में ऑस्ट्रेलिया ने 66.7 प्रतिशत अंकों के साथ पहले पायदान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। इस दौरान दूसरे पायदान पर रही न्यूजीलैंड और भारत की टीमें क्रमशः 63.63 व 58.8 प्रतिशत के साथ फाइनल में जगह बनाई थी।

ऐसे में भारत के पास फाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए 68.42 पर्याप्त होंगे। वहीं अगर टीम बने 7 में से चार मैच जीतती है और दो मुकाबले ड्रॉ रहते हैं तो भी भारत के फाइनल में पहुंचने के चांसेस रहेंगे। इस स्थिति में टीम इंडिया के खाते में 66.67 प्रतिशत अंक होंगे। वहीं भारतीय टीम को बचे 7 में से 2 से ज्यादा मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ता है तो उन्हें दूसरी टीमों के रिजल्ट पर निर्भर रहना पड़ेगा।

आईपीएल 2025 में धोनी खेलेंगे या नहीं

आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी से पहले 31 अक्टूबर तक हर फ्रेंचाइजी को रिटने किए गए खिलाड़ियों की लिस्ट बीसीसीआई

को देनी है। वहीं फैंस इस रिटेंशन लिस्ट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। लेकिन सभी की नजरें चेन्नई सुपर किंग्स पर टिकी हैं कि वह एमएस धोनी को रिटेन करेगी या नहीं। चेन्नई सुपर किंग्स के सीईओ काशी विश्वनाथन ने धोनी के आईपीएल 2025 में खेलने को लेकर अपडेट दिया है। उन्होंने कहा है कि , उन्हें भी नहीं पता कि एमएस धोनी अगले सीजन में खेलेंगे या नहीं। आईपीएल 2025 के लिए सीएसके एमएस धोनी को रिटेन करेगी या नहीं इसको लेकर अब तक कोई फैसला नहीं हो पाया है। फिलहाल इस पर अभी कुछ भी पक्का नहीं है। हाल ही में चेन्नई के सीईओ कासी विश्वनाथन नीलामी से पहले एमएस धोनी के रिटेंशन स्टेटस के बारे में बात की।

दीपिका कुमारी ने तीरंदाजी वर्ल्डकप में जीता सिल्वर मेडल

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। पेरिस ओलंपिक 2024 में इस बार खिलाड़ियों ने काफी निराश किया और देश को एक सिल्वर मेडल सहित 6 ब्रॉन्ज मेडल ही मिले। इसी कड़ी में भारतीय तीरंदाज टीम भी मेडल जीतने में नाकामयाब रहीं। वहीं दिग्गज तीरंदाज दीपिका कुमारी को ओलंपिक में पदक न जीत पाने की निराशा और मलाल था। लेकिन अब रविवार को तीरंदाजी वर्ल्ड कप में सिल्वर मेडल जीत कर ओलंपिक की निराशा को खत्म कर दिया है।

इस टूर्नामेंट में दीपिका को फाइनल में चीन की लि जियामान के हाथों हार झेलनी पड़ी लेकिन उन्हें सिल्वर अपने नाम करने में कामयाबी जरूर मिली। इससे पहले सेमीफाइनल में उन्होंने मेक्सिको की टोक्यो ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट अलेजेंड्रा वेलेंसिया को 6-4 से मात दी थी। वहीं

क्वार्टर फाइनल में चीन की यैंग को 6-0 से मात दी थी। वहीं दीपिका ने आर्चरी वर्ल्ड कप में पिछला मेडल साल 2018 में जीता था। इसके बाद से वह इसके लिए संघर्ष करना पड़ा। हालांकि, दो साल पहले मां बनी दीपिका ने ये 6 साल का इंतजार बखूबी खत्म किया है। साथ ही उन्होंने ये भी साबित कर दिया कि मां बनना उनकी कमजोरी नहीं बल्कि ताकत है और वह देश के लिए मेडल जीतने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

रेलवे ने हॉकी महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप का जीता खिताब

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) की महिला टीम ने चौथी हॉकी इंडिया सीनियर महिला अंतर-विभागीय राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2024 के फाइनल में इंडियन ऑयल लिमिटेड पर 3-1 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में खेले गये फाइनल में दोनों टीमें कड़े मुकाबले के कारण मैच चौथे क्वार्टर तक रोमांचक रहा। रेलवे की कप्तान नवनीत कौर ने गोल करके अपनी टीम को बढ़त दिलाई। सलीमा टेटे के अंतिम गोल से जीत रेलवे की जीत सुनिश्चित की। रेलवे ने 3-1 से जीत दर्ज की।

वाटर स्पोर्ट्स का हब बनने को तैयार हो रहा है रामगढ़ताल

गोरखपुर, 21 अक्टूबर। पिछले साल खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के तहत रोइंग की राष्ट्रीय प्रतियोगिता की सफल मेजबानी करने वाले गोरखपुर का रामगढ़ताल में मंगलवार को यहां सब जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप खेली जायेगी। 26 अक्टूबर तक होने वाली इस चैंपियनशिप का उद्घाटन 22 अक्टूबर को होगा जबकि खिलाड़ियों के बीच प्रतिस्पर्धा का शुभारंभ 23 अक्टूबर को खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव की उपस्थिति में होगा। 26 अक्टूबर को चैंपियनशिप के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री योगी मौजूद रहेंगे। सब जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप में 20 राज्यों की टीमें प्रतिभाग कर रही है। इसमें कुल 243 खिलाड़ी शामिल होंगे। इन खिलाड़ियों के साथ 43 कोच भी हैं। खिलाड़ियों, कोच, सपोर्टिंग स्टाफ, निर्णायकों और अतिथियों के लिए शहर के होटलों और वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 106 कमरे रिजर्व किए गए हैं। प्रतियोगिता को लेकर रामगढ़ताल में लेन कोर्स तैयार कर लिया गया है। उल्लेखनीय है कि वाटर स्पोर्ट्स की गतिविधियों को बढ़ाने के लिए ही योगी सरकार ने रामगढ़ताल के समीप विश्व स्तरीय वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया है। पिछले वर्ष मई माह में हुई खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की रोइंग प्रतियोगिता के बाद जर्मनी से 20 रोइंग बोट्स मंगाकर यहां प्रशिक्षण का कार्य पहले से जारी है।

महिला टेनिस बॉल क्रिकेट चैम्पियन

खिलाड़ियों ने बढ़ाया जयपुर का मान : राजीव अरोड़ा

जयपुर, 21 अक्टूबर। हाल ही में संपन्न स्टेट टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट में विजयी होकर जयपुर लौटी महिला चैंपियन टीम का आज जिला संघ पदाधिकारियो ने अभिनंदन किया। निजी होटल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर टेनिस बॉल क्रिकेट संघ के संरक्षक राजीव अरोड़ा, अध्यक्ष आलोक गुप्ता,वरिष्ठ उपाध्यक्ष नितिन शारदा भगेरिया ने खिलाड़ियों को मेडल और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। राजीव अरोड़ा ने अपने बधाई संदेश में कार्यकारी मंजूर बेग कोच भाटी और सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा खिलाड़ियों ने जयपुर को पुन चैंपियन बना कर जयपुर की गौरवशाली परंपरा को एक नया आयाम दिया है। गौरतलब है जयपुर टीम 2011 से 2019 तक लगातार चैंपियन रहती आई है और इस बार चार साल बाद चैंपियन बनी है।

राजस्थान के खिलाड़ियों ने शूटिंग प्रतिस्पर्धा में बाजी मारी

जयपुर, 21 अक्टूबर। पंजाब में आयोजित 43वी नोर्थ जोन शूटिंग चैम्पियनशीप 2024 प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर अपने कौशल का प्रदर्शन करते हुये दीक्षान्त लोहिया ने क्ले पिजन ट्रेप जुनियर व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा में रजत पदक प्राप्त कर शूटिंग खेल को उच्च स्तर पर ले जाते हुये राजस्थान का गौरव बढाया है। उत्तर क्षेत्र चैंपियनशिप (शोटगन) भटिंडा, पंजाब में 20 से 25 अक्टूबर 2024 तक चलेगी।

हॉकी का राष्ट्रमंडल खेलों से बाहर होना तय

मेलबर्न, 21 अक्टूबर। हॉकी का 2026 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों से बाहर होना तय है क्योंकि मेजबान शहर ग्लासगो लागत में कटौती करना चाहता है। इसकी जानकारी यहां कई मीडिया रिपोर्ट में दी गई है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ और राष्ट्रमंडल खेल महासंघ दोनों इस मामले पर चुप्पी साधे हुए हैं। हॉकी को 1998 में राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल किया गया था और तब से वह इन खेलों का अभिन्न अंग बना रहा लेकिन मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि ग्लासगो खेलों के आयोजक नेट बॉल और रोड रेसिंग के साथ हॉकी को भी खेलों से हटाना चाहते हैं।राष्ट्रमंडल खेल 2026 आयोजन पहले ऑस्ट्रेलिया के राज्य विक्टोरिया में होना था लेकिन वह बढ़ती लागत के कारण मेजबानी से हट गया था। इसके बाद स्कॉटलैंड ने इन खेलों की मेजबानी करने के लिए कदम बढ़ाया। खेलों का कार्यक्रम मंगलवार को घोषित किया जाना है। इस संदर्भ में पीटीआई ने जब अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ से संपर्क किया तो उसने कार्यक्रम के आधिकारिक तौर पर जारी होने तक टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। एक अधिकारी ने कहा, "एक-दो दिन में स्थिति स्पष्ट हो जाएगी और आपको जानकारी मिल जाएगी। हमारी तरफ से जब तक सीजीएफ से कोई आधिकारिक बातचीत नहीं हो जाती तब तक हम इस पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकते हैं।"

मल्लिका नड्डा ने स्पेशल ओलंपिक भारत की जर्सी का किया अनावरण

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। स्पेशल ओलंपिक भारत की अध्यक्ष मल्लिका नड्डा, चेयरमैन अमित भल्ला और महासचिव डीजी चौधरी ने सोमवार को 18 से 23 नवंबर तक राष्ट्रीय राजधानी में होने वाले स्पेशल ओलंपिक एशिया पैसिफिक के लिए भारतीय टीम की जर्सी का अनावरण किया। आज यहां संवाददाता सम्मेलन के दौरान मीडिया सदस्यों के साथ स्पेशल ओलंपिक खेलों के अनुभव को साझा करने के लिए बोचे और बॉलिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वैश्विक स्तर पर होने वाली इस प्रतियोगिता में 22 वर्ष से अधिक उम्र के बौद्धिक और विकासात्मक दिव्यांग वाले बुजुर्ग के लिये पदक जीतने का अवसर होगा। 12वें स्पेशल ओलंपिक कार्यक्रमों में पूर्वी एशिया, यूरोप, यूरेशिया और एशिया प्रांत से 100 से अधिक एथलीट हिस्सा लेंगे। स्पेशल ओलंपिक्स भारत एक राष्ट्रीय खेल महासंघ है और यह अमेरिका द्वारा मान्यता प्राप्त है।

सीनियर पुरुष फुटबॉल चैम्पियनशिप

दौसा, कोटा, हनुमानगढ़, भीलवाड़ा, जैसलमेर और अलवर की टीमें जीती

जयपुर, 21 अक्टूबर। राजस्थान फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि आज का पहला मुकाबला दौसा और बूंदी के बीच खेला गया जिसमें दौसा ने बूंदी को हराया, दूसरा मैच कोटा और सीकर के मध्य खेला गया जिसमें कोटा 1-0 से विजयी रहा, तीसरा मैच हनुमानगढ़ और बारां के बीच खेला गया जिसमें हनुमानगढ़ 3-0 से विजयी रहा, चौथा मैच नागौर भीलवाड़ा के मध्य खेला गया जिसमें भीलवाड़ा ने नागौर को पैनल्टी शूट आउट में 5-3 से हराया। पांचवा मैच जैसलमेर और सिरोही के बीच खेला गया जिसमें जैसलमेर ने सिरोही को 2-1 से हराया, छठा मैच जोधपुर और अलवर के बीच खेला गया एक संघर्षपूर्ण मैच में अलवर ने जोधपुर को पैनल्टी शूट आउट 5-4 से हराया। स्टेडियम दर्शकों से भरा रहा, दर्शकों ने शानदार खेल का लुत्फ उठाया। राजस्थान के कई भूतपर्व खिलाड़ी मैचों के दौरान मौजूद रहे और खिलाड़ियों का हौसला अफजाई किया।

रोनाल्डो और अल नासर का एसीएल मैच सुरक्षा कारणों से ईरान की बजाय दुबई में

वाशिंगटन, 21 अक्टूबर। क्रिस्टियानो रोनाल्डो और अल नासर क्लब का तेहरान के एस्तेगलाल क्लब के खिलाफ एएफसी चैम्पियंस लीग एलीट फुटबॉल मैच ईरान में सुरक्षा चिंताओं के कारण अब संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में होगा। एशियाई फुटबॉल परिसंघ ने पिछले सप्ताह जारी बयान में इसकी जानकारी दी थी। भारत ने इस फैसले पर हैरानी जताई है क्योंकि सात अक्टूबर को एएफसी ने कहा था कि कोलकाता के मोहन बागान क्लब ने ट्रैक्टर एससी के खिलाफ दो अक्टूबर को दूसरी श्रेणी के एएफसी चैम्पियंस लीग दो के मैच के लिये ईरान जाने से इनकार किया था लिहाजा माना जायेगा कि उसने नाम वापिस ले लिया है।सिर्फ अल नासर ही नहीं बल्कि ट्रैक्टर का ताजिकिस्तान के रावशान के खिलाफ घरेलू मैच भी अन्यत्र स्थानांतरित कर दिया गया है।

राजधानी

डी.जी.पी. डिस्क के लिए मालिनी अग्रवाल, विशाल बंसल और वी.के. सिंह का चयन

जयपुर। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उत्कल रंजन साहू ने प्रदेश में पुलिसिंग के क्षेत्र में सराहनीय कार्यों के लिए 61 पुलिस अधिकारियों और कार्मिकों को 'महानिदेशक पुलिस प्रशस्ति डिस्क एवं प्रशस्ति रोल' एवं 'महानिदेशक पुलिस डिस्क एवं प्रशस्ति रोल' सहित नकद इनाम मय प्रशस्ति पत्र देने की मंजूरी प्रदान की गई है। एडीजी मालिनी अग्रवाल, एडीजी विशाल बंसल और एडीजी विजय कुमार सिंह को भी डीजीपी डिस्क देने की घोषणा की गई है। इन पुलिस अधिकारियों और पुलिस कर्मियों को आगामी दिनों में आयोजित होने वाले समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

साहू ने बताया कि प्रदेश में इस साल की शुरूआत में 58वें पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक सम्मेलन-2023 का आयोजन जयपुर में किया गया था। इस सम्मेलन के सफल आयोजन में सराहनीय सेवाओं के लिए अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, प्रशिक्षण (तत्कालीन पद हाल एडीजी सिविल राइट्स एंड एएचटी) मालिनी अग्रवाल, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, कानून एवं व्यवस्था विशाल बंसल और अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, एटीएस एवं एसओजी विजय कुमार सिंह को 'महानिदेशक पुलिस प्रशस्ति डिस्क एवं प्रशस्ति रोल' प्रदान किया जाएगा। एडीजी बंसल का दूसरी बार इस सम्मान के लिए चयन हुआ है।

साहू ने बताया कि इसके अलावा 58वें पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक सम्मेलन-2023 में उत्कृष्ट योगदान के लिए उप महानिरीक्षक पुलिस कार्मिक, जयपुर विकास पाठक (दूसरी बार चयन), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, कम्यूनिटी पुलिसिंग सैयद मुस्तफा अली जैदी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, हाऊसिंग शिल्पा चौधरी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय भंडार, पुलिस मुख्यालय यशपाल त्रिपाठी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राज्य विशेष शाखा चन्द्रेश कुमार (दूसरी बार चयन), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, राज्य विशेष शाखा भरतलाल मीना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसओजी पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, इंटेलीजेंस ट्रेनिंग अकादमी, शालिनी सक्सेना, पुलिस उप अधीक्षक, मुख्य भंडार, पुलिस दूरसंचार, अवनीश कुमार, डिप्टी कमांडेंट, पांचवी बटालियन आरएसी देशराज यादव, उप अधीक्षक, पुलिस प्रशिक्षण निदेशालय देवेन्द्र सिंह, पुलिस निरीक्षक, राज्य विशेष शाखा रामचंद्र मीना, पुलिस निरीक्षक, परिवहन, पुलिस मुख्यालय फतेह सिंह, पुलिस निरीक्षक (कार्यालय अतिरिक्त महानिदेशक, पुलिस कल्याण) नीरज तिवाड़ी, कम्पनी कमांडर, 12 वीं बटालियन, आरएसी बजरंग सिंह, पुलिस निरीक्षक, राजस्थान पुलिस अकादमी नीलिमा अग्निहोत्री, स्टाफ ऑफिसर (कार्यालय अतिरिक्त महानिदेशक, पुलिस आर्म्ड बटालियन) विनीत कुमार पाठक तथा उप महानिरीक्षक, पुलिस परिवहन राजेश कुमार को 'महानिदेशक पुलिस प्रशस्ति डिस्क एवं प्रशस्ति रोल' प्रदान किया जाएगा।

डीजीपी ने बताया कि अपराध, प्रशासन, कानून व्यवस्था एवं इंटलिजेंस के क्षेत्र में निदेशक, राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला अजय शर्मा, अतिरिक्त निदेशक, क्षेत्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशाला राजवीर, उप निदेशक, राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला डॉ. राजेश सिंह, सहायक निदेशक, क्षेत्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशाला, अजमेर राकेश रोशन शर्मा, कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक, प्रभारी मोबाईल फॉरेंसिक यूनिट, भीलवाड़ा हर्ष मीना, धौलपुर में पुलिस थाना सोने का गुर्जा के उप निरीक्षक (थानाधिकारी) यशपाल सिंह, उप निरीक्षक, पुलिस साइक्लोनर सैल, रेंज कार्यालय, जोधपुर प्रमीत चौहान, सहायक उप निरीक्षक, कार्यालय पुलिस उपायुक्त, जयपुर पूर्व, प्रद्युम्न कुमार (द्वितीय बार), हैड कांस्टेबल, जिला विशेष शाखा (साइबर सैल), जयपुर (दक्षिण) राम सिंह (द्वितीय बार), हैड कांस्टेबल, अपराध शाखा (साइबर सैल), जयपुर-दक्षिण लोकेश कुमार (द्वितीय बार), महिला कांस्टेबल थाना बाड़मेर-जीआरपी जोधपुर केशी देवी, कांस्टेबल थाना कैथूनीपोल (कोटा शहर) योगेन्द्र सिंह, कांस्टेबल आईआरएफ, जोधपुर राजुनाथ, कांस्टेबल आईआरएफ, जोधपुर रेंज पप्पाराम और कांस्टेबल, रिजर्व पुलिस लाइन जोधपुर ग्रामीण झूमरराम विश्नोई को 'महानिदेशक पुलिस डिस्क एवं प्रशस्ति रोल' से सम्मानित किया जाएगा। साहू ने बताया कि अपराध, प्रशासन, कानून व्यवस्था एवं इंटलिजेंस के क्षेत्र में ही उप महानिरीक्षक पुलिस, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, उदयपुर राजेन्द्र प्रसाद गोयल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सीआईडी विशेष शाखा जोन, जयपुर शहर धर्मेन्द्र सिंह सागर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, महिला अपराध अनुसंधान सेल, बूंदी भगवत सिंह हिंगड, सहायक पुलिस आयुक्त माणक चौक, जयपुर-उत्तर श्री हेमंत जाखड़, आरपीएस (प्रोबेशनर), कार्यालय पुलिस अधीक्षक, धौलपुर अंगद शर्मा, पुलिस निरीक्षक, थानाधिकारी, थाना माणक चौक, जयुपर-उत्तर गुरू भूपेन्द्र सिंह, पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी सुभाष चौक, जयुपर-उत्तर सुरेश चंद, निरीक्षक पुलिस, थानाधिकारी, पुलिस थाना प्रताप नगर, आयुक्तालय जोधपुर भुटाराम, पुलिस निरीक्षक, थानाधिकारी सविना, जिला उदयपुर फूलचंद, पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी बयाना जिला भरतपुर सुनील कुमार, उप निरीक्षक, थानाधिकारी, पुलिस थाना गढ़ीबाजना, भरतपुर मुकेश कुमार, उप निरीक्षक, थानाधिकारी, थाना रूदावल, भरतपुर योगेन्द्र सिंह (द्वितीय बार), उप निरीक्षक पुलिस, तत्कालीन थाना रूदावल हाल कार्यालय पुलिस अधीक्षक, करौली महावीर प्रसाद, कांस्टेबल थाना डग, झालावाड़ मुकेश कुमार, कांस्टेबल थाना डग, झालावाड बृजेश कुमार, कांस्टेबल कार्यालय महानिरीक्षक पुलिस रेंज, जयपुर प्रताप मीना, कांस्टेबल कार्यालय महानिरीक्षक पुलिस रेंज, जयपुर मनोज यादव, कांस्टेबल पुलिस थाना प्रताप नगर, आयुक्तालय, जयपुर श्याम लाल तथा कांस्टेबल साइबर क्राइम, पुलिस थाना धौलपुर अशोक कुमार को डीजीपी डिस्क एवं प्रशस्ति रोल दिया जाएगा।

इसी प्रकार खेल, प्रशिक्षण, सामान्य प्रशासन, कल्याण एवं पर्यवेक्षण के क्षेत्र में महानिरीक्षक पुलिस, आरएसी, जयपुर हाल पुलिस आयुक्त, जोधपुर राजेन्द्र सिंह तथा हैड कांस्टेबल पुलिस लाइन गंगानगर जीत सिंह का भी 'महानिदेशक पुलिस डिस्क एवं प्रशस्ति रोल' के लिए चयन किया गया है। वहीं अपराध, प्रशासन, कानून व्यवस्था एवं इंटलिजेंस के क्षेत्र में उप निरीक्षक, पुलिस थानाधिकारी, पुलिस थाना रानी-जिला पाली पन्नाराम और कांस्टेबल, पुलिस थाना, महेश नगर, जयपुर-दक्षिण रामजी लाल को प्रशस्ति पत्र मय 5 हजार रुपये नकद ईनाम दिया जाएगा।

सफाई कर्मचारियों का कल्याण राज्य सरकार की प्राथमिकता : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सफाईकर्मियों की राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका है। वे हमें बीमारियों और गंदगी से बचाकर स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि सफाईकर्मियों की सुरक्षा, सम्मान और कल्याण राज्य सरकार की प्राथमिकता और जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री सोमवार को संयुक्त वाल्मीकि श्रमिक संघ द्वारा आयोजित स्वागत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने नगर निकायों में होने वाली करीब 24 हजार सफाई कर्मचारियों की भर्ती में सफाईकर्मियों की मांगों एवं सुझावों के अनुरूप संशोधन कर नियमों का सरलीकरण किया है और लॉटरी के माध्यम से पारदर्शी तरीके से भर्तियां करने का काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सफाईकर्मियों को उनका यह हक पहले ही मिल जाना चाहिए था लेकिन पूर्ववर्ती सरकार ने इन भर्तियों को अटकाने, लटकाने और भटकाने का काम किया। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी 2018 में हमारी ही सरकार ने 21 हजार से अधिक पदों पर सफाईकर्मियों की भर्ती की थी।

शर्मा ने कहा कि सफाई कर्मचारी विषम परिस्थितियों में काम करते हैं। ऐसी स्थिति में उनके स्वास्थ्य का ख्याल रखते हुए आरजीएचएस के तहत फेफड़ों, किडनी एवं त्वचा से संबंधित बीमारियों के निःशुल्क इलाज की व्यवस्था की गई है। साथ ही, सफाई कर्मचारियों को रियायती दर पर ऋण भी राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध करवाया जा रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने वाल्मीकि समाज के छात्रावास हेतु भूमि आवंटन तथा जोधपुर में नवल जी महाराज का पैनोरमा बनवाने का सकारात्मक आश्वासन दिया।मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2 अक्टूबर, 2014 को स्वयं झाड़ू उठाकर स्वच्छ भारत अभियान का आगाज किया था। उन्होंने देशवासियों को स्वच्छता का मंत्र दिया और आज स्वच्छ भारत अभियान एक 'जन-आंदोलन' का रूप ले चुका है, क्योंकि इसे पूरे देश की जनता का अपार समर्थन मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश के सफाईकर्मियों का आभार व्यक्त करने के लिए प्रयागराज में कुंभ के दौरान उनके चरण धोए थे।शर्मा ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर में बहुत आदर से देखा जाता है। उन्होंने कहा कि अपनी यूके यात्रा के दौरान मैंने लंदन में किंग हेनरी रोड स्थित ऐतिहासिक अम्बेडकर हाउस का दौरा किया। यह स्थान बाबासाहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर से जुड़ी अमूल्य स्मृतियों, उनके जीवन के महत्वपूर्ण प्रसंगों और उनके द्वारा किए गए अभूतपूर्व कार्यों का साक्षी रहा है।

अमेरिकी राजदूत मुख्यमंत्री भजनलाल से मिले

जयपुर में मुख्यमंत्री से मुलाकात करने राजदूत एरिक गार्सेटी के साथ चार वरिष्ठ अधिकारी भी आये

जयपुर, 21 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने, आगामी 9 से 11 दिसम्बर को आयोजित होने वाले राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में गार्सेटी एवं अमेरिकी निवेशकों को आमंत्रित किया। इस अवसर पर शर्मा ने कहा कि राज्य में अक्षय ऊर्जा, खनन, आई.टी. और विनिर्माण क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। राज्य सौर एवं पवन ऊर्जा के क्षेत्र में देश में पहले स्थान पर है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा एक नई पर्यटन नीति लाई जा रही है, जिसमें निवेशकों को कई तरह के लाभ दिए जाएंगे। राज्य में कौशल विकास, आई टी, बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण एवं रक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं तथा इन क्षेत्रों में निवेशकों के लिए ढेरों अवसर हैं।

मुख्यमंत्री ने राज्य में जलवायु, सतत विकास, ग्रीन टैक्नोलॉजी, स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा अनुसंधान, पर्यटन सहित विभिन्न क्षेत्रों में अमेरिकी साझेदारी एवं सहयोग पर जोर दिया। शर्मा ने राजस्थान में अमेरिकी विश्वविद्यालयों के कैम्पस खोलने, जी.सी.सी. एवं डेटा सेन्टर के क्षेत्र में भी काम करने के लिए उन्हें आमन्त्रित किया। अमेरिकी राजदूत ने महिला विकास, ऊर्जा, शहरी विकास, खेलकूद इत्यादि के क्षेत्र में भी अमेरिका द्वारा सहयोग की इच्छा व्यक्त की। गार्सेटी के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमण्डल ने शर्मा द्वारा दिए प्रस्तावों पर गहन रूचि दिखाई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में, भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी से मुलाकात की तथा उन्हें एवं अमेरिकी निवेशकों को राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल इन्वैस्टमैंट समिट में आमंत्रित किया।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जलवायु, सतत निकास, ग्रीन टैक्नोलॉजी, स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा अनुसंधान, पर्यटन आदि क्षेत्रों में अमेरिकी साझेदारी व सहयोग मांगा।
- अमेरिकी राजदूत ने महिला विकास, ऊर्जा, शहरी विकास, खेलकूद आदि क्षेत्रों में रूचि दर्शाई।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमण्डल में अमेरिकन एम्बैसी से आर्थिक मामलात अधिकारी डेमन ड्यूबोर्ड, वरिष्ठ राजनैतिक सलाहकार ए. सुकेश, वाइस काउन्सिल एलेक्जेण्डर वाइट, राजनैतिक अधिकारी हिना राव, अतिरिक्त मुख्य सचिव, (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा उपस्थित रहे।

संजय राउत ने कहा, शाह से मुलाकात नहीं की

मुंबई, 21 अक्टूबर। शिवसेना (यू.बी.टी.) सांसद एवं मुख्य प्रवक्ता संजय राउत ने सोमवार को कुछ हलकों में चल रही अटकलों को नकार दिया कि उन्होंने आगामी 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। राउत ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में सत्तारूढ़ शिवसेना के एक नेता की इस भविष्यवाणी को खारिज कर दिया कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यू.बी.टी.) भाजपा-नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के पाले में वापस आ जायेगी।

उन्होंने कहा, ये सिर्फ सत्तारूढ़ पक्ष के मीडिया तंत्र की ओर से फैलायी जा रही अफवाहें हैं। हम जानते हैं कि ऐसा कौन कर रहा है और क्यों किया जा रहा है। हमारे पास अपना छोटा सा पेगागस सेट-अप भी है, जो हमें सूचित करता रहता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिवसेना (यू.बी.टी.) पिछले कुछ वर्षों से महाराष्ट्र के गौरव की रक्षा के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है, लेकिन यह भाजपा में शामिल होने के लिए नहीं है।

पदोन्नति नहीं देने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बार-बार अभ्यावेदन देकर पदोन्नत करने की गुहार की, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस पर उसने श्रमिक संघ के माध्यम से औद्योगिक विवाद न्यायाधिकरण में रेफरेंस पेश किया, जिसे गत दिनों तय करते हुए न्यायाधिकरण ने याचिकाकर्ता को राहत देने से इनकार कर दिया। इस पर याचिकाकर्ता की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दायर कर उसे पदोन्नित देने की गुहार की गई। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

शहर के पास फिर पैंथर दिखने से दहशत का माहौल

रविवार की रात सी.सी.टी.वी. फुटेज में पैंथर एक घर के सामने से गुजता नज़र आया

- तीन दिन पहले इस स्थान से मात्र 10 किलोमीटर दूर मदार इलाके में वन विभाग व पुलिस की संयुक्त टीम ने एक पैंथर को गोली मारी थी।
- वन विभाग के अनुसार, इन दोनों इलाकों में 4 से 5 पैंथर हो सकते हैं। ये पैंथर इलाका बदलते हैं तथा 24 घंटे में 20 से अधिक किलोमीटर की दूरी तय कर सकते हैं।

उदयपुर, 21 अक्टूबर (का.सं.)। उदयपुर शहर के समीप एक बार फिर पैंथर का मूवमेंट नज़र आया है। शहर से 7 किमी दूर बड़ी ग्राम पंचायत क्षेत्र के लियो का गुड़ा में बीती रात को एक पैंथर को सी.सी.टी.वी. फुटेज में देखा गया।

यहां 7 दिन में दूसरी बार पैंथर का मूवमेंट हुआ है। सी.सी.टी.वी. फुटेज में पैंथर रविवार देर रात 10:42 बजे एक घर के सामने से गुजरता हुआ दिखाई पड़ा है। इसके बाद, सामने से एक कार के आते ही पैंथर झाड़ियों में भाग गया। ज्ञातव्य है कि तीन दिन पहले शुक्रवार को यहां से 10 किमी दूर मदार इलाके में वन विभाग और पुलिस के जॉइंट ऑपरेशन में एक पैंथर को गोली मारी गई थी।

ग्रामीणों के अनुसार, इस इलाके में 7 दिन में पैंथर दिखने की यह दूसरी घटना है। इससे पहले 14 अक्टूबर को इसी इलाके में पैंथर ने सुबह 7 बजे विजय चौबीसा के मकान में घुसकर बछड़े का शिकार किया था। घर की बहू ने पैंथर को देखा और चिल्लाई तो पैंथर भाग गया। इसके बाद वन विभाग ने विजय चौबीसा के बाड़े में पिंजरा भी लगाया, लेकिन पैंथर उसमें नहीं फंसा। अब रविवार देर रात सड़क पर घूमता पैंथर दिखाई दिया है। इससे पहले वन विभाग ने यहां पिंजरा भी लगाया था। लेकिन पैंथर उसमें नहीं फंसा। लोग घबराए हुए हैं और घरों से बाहर निकलने में कतरा रहे हैं।

वन विभाग के अनुसार, इन दोनों इलाकों में 4 से 5 पैंथर होने की संभावना है। हालांकि ये पैंथर इलाके बदलते रहते हैं और दिन-रात मिलाकर 20 से ज्यादा किमी तक का सफर तय कर सकते हैं। ऐसे में संख्या का अनुमान लगाना संभव नहीं हो रहा है। ग्रामीणों की मांग के अनुसार, यहाँ पिंजरे लगाए जा रहे हैं। वहीं, वन विभाग ने ग्रामीणों को झुण्ड में बाहर निकलने और रात के समय पटाखे चलाने की हिदायत दी है। क्षेत्रीय वन अधिकारी प्रवेन्द्र सिंह ने बताया कि उनकी टीम लगातार निगरानी कर रही है और जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की मांग के अनुसार पिंजरे भी लगाए गए हैं।

इधर रविवार को गोगुंदा थाना क्षेत्र की भूताला ग्राम पंचायत की हीरावतों की भागल में पैंथर ने गाय का शिकार किया। ग्रामीण तुलसी सिंह ने बताया कि गाय को चरने के लिए खेत में छोड़ा था। दोपहर को देखा तो गाय मरी हुई पड़ी थी। उन्होंने दावा किया कि यहां कई दिनों से पैंथर घूम रहा है। यहां रहने वाले चंदन सिंह की पत्नी और बेटी घास लेने निकली थीं। इसी दौरान पैंथर से उनका सामना हो गया। दोनों ने शोर मचाया तो पेंथर भाग गया। वन विभाग के वनपाल लाल सिंह को मौके पर सूचना दी गई और पिंजरा लगाने की मांग की गई। लेकिन अब तक कोई पिंजरा नहीं लगाया गया है।

कांग्रेस महाराष्ट्र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गांधी, सोनिया गांधी तथा मल्लिकार्जुन खड़गे मौजूद रहेंगे।

यह पहला अवसर होगा, जब प्रियंका गांधी कोई चुनाव लड़ेंगी और अगर वे जीत जाती हैं, तो गांधी भाई-बहिन एक साथ लोकसभा में बैठेंगे।

एस.आई. भर्ती...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पैरवी के लिये पेश हुए थे। अधिवक्ता संजय शर्मा ने बताया कि संजय पेपर लीक मामले से जुड़ा हुआ नहीं है, बल्कि वह आरोपियों को टैक्सी से परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने वाला एक टैक्सी ड्राइवर है।

महिला की हत्या कर जेवर लूटने वालों को उम्र कैद

जयपुर, 21 अक्टूबर। जिले की अतिरिक्त सत्र अदालत क्रम-4 ने महिला की हत्या कर उसके जेवरात लूटने वाले अभियुक्त सुरेश कुमार और अजीत सिंह को उम्रकैद की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने दोनों अभियुक्तों पर कुल दो लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। वहीं, अदालत ने लूट का माल खरीदने वाले अभियुक्त रईस और दीपक मराठा को एक साल की सजा से दंडित किया है। पीठासीन अधिकारी अनामिका सारण ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त अजीत के खिलाफ हत्या और चोरी के कुल 11 और अभियुक्त सुरेश कुमार के खिलाफ चोरी और सहित मामलों के 27 आपराधिक प्रकरण हैं। ऐसे में उनके प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक संजीव शर्मा ने बताया कि घटना को लेकर महावीर सिंह ने 25 जनवरी, 2017 को मानसरोवर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी 55 वर्षीय सास नीलम कंवर गुर्जर की थड़ी स्थित मकान में अकेली रहती हैं। आज शाम को उसकी दुकान पर काम करने वाले कर्मचारी ने उसे बताया कि उसकी सास रसोई में पड़ी हैं। जब वह वहां पहुंचा तो पता चला कि उसकी सास का गला काटकर हत्या कर दी गई है और घर का सामान बिखरा हुआ है।

- अदालत ने लूट का माल खरीदने वाले दो व्यक्तियों को भी एक साल की सजा दी है।

रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्तों को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत को बताया गया कि अभियुक्त अजीत की नानी का घर मृतका के घर के पास ही था। इसके चलते, मृतका अभियुक्त को पहचानती थी। ऐसे में अजीत के उसके घर जाने पर मृतका ने पहले उसे पानी पिलाया और बाद में चाय बनाने के लिए रसोई में गई। इस दौरान अजीत ने पीछे से जाकर उसका मुंह दबा लिया और चाकू से गला काटकर हत्या कर दी।

कोलकाता में जूनियर डॉक्टर्स ने हड़ताल खत्म की

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मीटिंग के बाद जूनियर डॉक्टर्स ने यह फैसला किया, साथ ही मंगलवार को पूर्व घोषित हैल्थ स्ट्राइक भी रद्द कर दी

कोलकाता, 21 अक्टूबर। कोलकाता में महिला डॉक्टर से रेप और उसकी हत्या के विरोध में चल रही जूनियर डॉक्टर्स की भूख हड़ताल 17 वें दिन खत्म हो गई है। इसके साथ ही डॉक्टरों की मंगलवार को होने वाली हेल्थ स्ट्राइक भी वापस ले ली गई है। सोमवार शाम डॉक्टरों के पैनल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ नबन्ना स्थित सचिवालय में करीब 2 घंटे चर्चा हुई।

5 अक्टूबर से भूख हड़ताल पर बैठे जूनियर डॉक्टर, ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस में न्याय की मांग के साथ ही, राज्य के हेल्थकेयर स्ट्रक्चर में बदलाव की मांग कर रहे हैं। जूनियर डॉक्टर 26 अक्टूबर को आर.जी. कर अस्पताल में सामूहिक सम्मेलन आयोजित करेंगे।

19 अक्टूबर को पश्चिम बंगाल के चीफ सैक्रेटरी मनोज पंत ने डॉक्टरों को मुख्यमंत्री ममता से सोमवार को मुलाकात का आमंत्रण दिया था। बैठक के लिए 45 मिनट का समय किया गया था, लेकिन बैठक 2 घंटे चली।

20 अक्टूबर को ममता बनर्जी ने अनशन खत्म करने की अपील की थी। इस दौरान उन्होंने कहा था कि डॉक्टरों की अधिकतर मांगें पूरी कर दी गई हैं।

ममता ने कहा था कि हर किसी को विरोध का अधिकार है, लेकिन इससे स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित नहीं होनी चाहिए। किसी विभाग में हर किसी को एक साथ हटाना संभव नहीं हैं। हमने पहले ही डी.एच.एस. और डी.एम.ई. को हटा दिया है, इसलिए राजनीति से ऊपर उठकर काम पर लौटें।

ट्रेनी डॉक्टर के लिए न्याय, और मेडिकल सुविधाओं में सुधार की मांग करते हुए जूनियर डॉक्टर पिछले 15 दिनों से भूख हड़ताल पर हैं। अब तक छह डॉक्टरों को खराब स्वास्थ्य के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि आठ अन्य अनिश्चितकालीन अनशन पर हैं। डॉक्टरों की मांग है कि राज्य सरकार 21 अक्टूबर तक समस्या को सुलझाने के लिए ठोस कदम उठाए।

- बैठक 45 मिनट तक चलनी थी पर 2 घंटे चली। ममता बनर्जी ने कहा कि डॉक्टर्स की अधिकांश मांगें पूरी कर दी गई हैं।
- जूनियर डॉक्टर, ट्रेनी महिला डॉक्टर के दुष्कर्म -हत्या केस में न्याय की मांग करते हुए 5 अक्टूबर को भूख हड़ताल पर बैठे थे। उन्होंने हैल्थ केयर ढांचे में बदलाव की मांग भी की थी।

ममता बनर्जी ने भी डॉक्टरों से अनशन खत्म करने और सोमवार को उनसे मिलने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा था, मैंने पुलिस कमिश्नर (सी.पी.), चिकित्सा शिक्षा निदेशक (डी.एम.ई.), और स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक (डी.एच.एस.) को हटा दिया है, लेकिन मैं पूरे विभाग को नहीं हटा सकती।

उन्होंने सवाल किया था कि क्या यह तर्कसंगत है कि आप तय करें कि किस अधिकारी को हटाना चाहिए? कुछ मांगों के लिए नीति बनाने की जरूरत है और इसमें सरकार पूरा सहयोग करेगी, लेकिन हमें यह मंजूर नहीं है कि डॉक्टर सरकार को आदेश दें कि क्या करना है।

"धर्मनिरपेक्षता" संविधान का अपरिवर्तनीय हिस्सा है- सुप्रीम कोर्ट

- संविधान की प्रस्तावना में संशोधन की याचिका पर सर्वोच्च न्यायालय ने यह टिप्पणी की।

नयी दिल्ली, 21 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय ने "धर्मनिरपेक्षता" शब्द को संविधान के मूल ढ ांचे का हिस्सा बताते हुए सोमवार को कहा कि ऐसे कई फैसले हैं, जो यह स्पष्ट करते हैं कि यह अपरिवर्तनीय हिस्सा है।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने संविधान की प्रस्तावना में संशोधन को चुनौती देने वाली, बलराम सिंह, वरिष्ठ भारतीय जनता पार्टी नेता सुब्रमण्यम स्वामी और अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए ये टिप्पणियां कीं।

पीठ ने कहा कि ऐसे कई फैसले हैं, जिनमें शीर्ष अदालत ने कहा है कि "धर्मनिरपेक्षता" मूल ढ ांचे का हिस्सा है और वास्तव में इसे मूल ढ ांचे के रूप में संशोधन न किए जा सकने वाले हिस्से का दर्जा दिया गया है।

न्यायमूर्ति खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि अगर संविधान में इस्तेमाल किए गए समानता के अधिकार और बंधुत्व शब्द के साथ-साथ भाग-तीन के तहत मौलिक अधिकारों को देखें तो यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि धर्मनिरपेक्षता को संविधान की मुख्य विशेषता के रूप में माना गया है।

पीठ ने याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता से संबंधित दस्तावेज जमा करने को कहा, ताकि वह उनकी जांच कर सके।

शीर्ष अदालत इस मामले की अगली सुनवाई 18 नवंबर से शुरू होने वाले सप्ताह में करेगी।

'वे काफी वृद्ध ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहे हैं। एक मुद्दा है चीन, जिसके विरोध में दोनों एकमत हैं तथा दूसरा, दोनों ही इमिग्रेशन को नियंत्रित करने के बारे में एक से विचार रखते हैं। राजनीतिक पर्यवेक्षक कह रहे हैं कि कमला हैरिस ने स्पष्ट कर दिया है कि चीन से आयात के विरुद्ध वर्तमान टैरिफ व्यवस्था तथा दण्डात्मक प्रावधान, जो पहले ट्रम्प ने शुरु किए थे, वो जारी रह सकते हैं, यदिओं हैरिस सत्ता में आती हैं।

डॉनल्ड ट्रम्प ने चीन सम्बंधी अपनी नीति को और सख्त कर दिया है। वे चीन से आयात पर रोक लगाना चाहते हैं। वे अभी भी कह रहे हैं कि चीन अमेरिका का सबसे बड़ा शत्रु है, उस पर लगाम कसी जानी चाहिए।

आव्रजन के मुद्दे पर कमला हैरिस की तुलना में ट्रम्प ज्यादा अतिवादी हैं। ट्रम्प अभी भी अवैध रुप से आने वाले लोगों को वापस भेजे जाने की बात कर रहे हैं।

दूसरी ओर, हैरिस नए इमिग्रेशन पर रोक लगाने और अवैध आव्रजन पर अंकुश लगाने की बात कर रही हैं। वे ऐसी व्यवस्था की बात कर रही हैं, जिसमें आव्रजन इतना ही हो, जितना अर्थव्यवस्था के लिए जरुरी है।

पन्नू की हत्या की साजिश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया है कि यादव को बर्खास्त कर दिया गया है तथा वह अब सरकारी कर्मचारी नहीं है। यादव को अभी हाल ही में दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार भी कर लिया था, क्योंकि उसके खिलाफ लूट और हत्या के आरोपों वाली एक एफ.आई.आर. दर्ज हुई थी। लेकिन अगर अमेरिका यादव के प्रत्यर्पण पर जोर देता है तो भारत की स्थिति अटपटी हो सकती है।

भारत के अधिकारियों का मानना है कि अमेरिका की ओर से ऐसा अनुरोध नहीं किया जाएगा, क्योंकि यह केस अदालत में चल रहा है। भारतीय अधिकारियों ने कहा, "किसी व्यक्ति के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया केवल तभी शुरू हो सकती है, जब अदालत ने उसे दोषी ठहरा दिया हो। अमेरिका के डिपार्टमेन्ट ऑफ जस्टिस के अभ्यारोपण (इंडिक्टमेन्ट) में यह नहीं कहा गया है कि यादव दोषी है।"

लेकिन अगर अमेरिका मामले को आगे बढ़ाता है तो भारत सरकार भी बदले में, डैविड कोलमैन हेडली उर्फ दाऊद सैयद गिलानी के प्रत्यर्पण की माँग कर सकती है, क्योंकि 2008 के मुम्बई आतंकी हमले में उसकी भूमिका रही थी। हैडली, जो इस समय शिकागो की जेल में है, ने अमेरिकन डिपार्टमेन्ट ऑफ जस्टिस से एक सौदेबाजी की थी, जिसने यह शर्त शामिल थी कि उसे भारत को प्रत्यार्पित नहीं किया जाएगा। हैडली वह व्यक्ति है, जिसमें 2008 में मुम्बई में हुये आतंकी हमलों के लिए सर्वे किया था तथा हमले के लिए उपयुक्त स्थान चुने थे। 2016 में, जब उसने मुम्बई हमलों में पाकिस्तान की आई.एस.आई. की भूमिका के बारे में बताया था, तो अमेरिका ने भारतीय अधिकारियों को उससे पूछताछ करने की अनुमति दे दी थी। हैडली ने कहा था कि आई.एस.आई. ने उसे एक नाव खरीदने के लिये 25 लाख रुपये दिये थे, जिसमें बैठकर नवम्बर, 2008 में 10 आतंकी कराची से मुम्बई गये थे।

अमेरिकन अधिकारियों की मौजूदगी में, उसने यह रहस्योद्घाटन किया था कि आई.एस.आई. ने उसे योजना के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी थी। बताया जाता है कि 2006 से 2009 के बीच, हैडली नौ बार भारत आया था। आतंकी हमलों के बाद भी वह एक बार भारत आया था।

आतंकी पन्नू ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया था, जिसमें कहा था,19 नवंबर को एअर इंडिया की फ्लाइट में यात्रा न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आपकी जान को खतरा हो सकता है।

इसके बाद 19 नवंबर को दिल्ली में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को बंद करने की धमकी दी। उसने कहा कि 19 नवंबर को वही दिन है, जब क्रिकेट वर्ल्ड कप का फाइनल होना था।

आर.जे.एस. भर्ती...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अंकों की तालिका बनाकर अदालत में पेश की जाए। वहीं, यह भी बताया जाए कि इनमें से कितने अभ्यर्थी अंग्रेजी माध्यम के थे। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश अनंत मिश्रा व अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिया। सुनवाई के दौरान, राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश की पालना में 7 बक्सों में उन अभ्यर्थियों की अंग्रेजी की उत्तर पुस्तिकाओं को पेश किया, जिनके अंग्रेजी विषय में 15 तक अंक आए थे। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने इन अभ्यर्थियों का विधि प्रथम व द्वितीय प्रश्न पत्रों के अंकों की जानकारी गुरुवार तक देने को कहा है। दरअसल, पिछली सुनवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को आर.जे.एस. भर्ती के अंग्रेजी विषय में 15 अंक से कम वाले अभ्यर्थियों की उत्तर पुस्तिकाएं पेश करने के लिए कहा था। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष पेश याचिकाओं में कहा गया कि आर.जे.एस. की मुख्य परीक्षा का परिणाम एक अक्टूबर को घोषित किया गया था और चार अक्टूबर को उन्हें उत्तर पुस्तिका के नंबर पता चले, लेकिन अंग्रेजी विषय में उनके बहुत ही कम अंक आए, जबकि वे एन.एल.यू. से पास हैं और कुछ अभ्यर्थियों का माध्यम अंग्रेजी रहा है। इसके बावजूद भर्ती की अंग्रेजी निबंध लेखन की परीक्षा में उन्हें 50 में से जीरो से लेकर चार अंक दिए गए हैं, जिससे साबित है कि उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने में मनमानी की गई है।

दिल्ली ब्लास्ट में विस्फोटक का उपयोग हुआ

एफ.आई.आर. के अनुसार धमाका इतना तीव्र था कि स्कूल की दीवार में छेद हो गया

नई दिल्ली, 21 अक्टूबर। दिल्ली के रोहिनी इलाके में स्थित सी.आर.पी.एफ. स्कूल के बाहर तेज धमाका हुआ था जिसके बाद धुएं का बड़ा गुबार देखा गया था। इस धमाके की गहन जांच की जा रही है। इस ब्लास्ट केस की एफ.आई.आर. में बड़ा खुलासा हुआ कि इसमें विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया था। एफ.आई.आर. के मुताबिक धमाका इतना जोरदार था कि इससे सी.आर.पी.एफ. स्कूल की दीवार में बड़ा सा छेद हो गया था। इसके साथ ही धमाके की साइट पर काफी मात्रा में सफेद पावडर बिखरा हुआ मिला था। इस पूरे घटना की जानकारी गृह मंत्रालय को दी गई है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने भी बताया था कि धमाके के बाद सफेद धुंए का गुबार निकला था और धमाके की आवाज इतनी जोरदार थी कि स्कूल के अपोजिट साइड की दुकानों की खिड़कियों के कांच और साइनबोर्ड डैमेज हो गए थे। पुलिस को कॉल करने वाले शख्स से दिल्ली पुलिस ने पूछताछ की है। कॉलर ने बताया कि वो घर में सो रहा था जब जोरदार धमाके की आवाज उसने सुनी और पुलिस को कॉल किया।

क्राइम सीन का मुआयना करने के बाद एक्सप्लोसिव एक्ट के तहत अज्ञात लोगों के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज की गई थी। हालांकि अब तक ये पता नहीं चल पाया है कि किस तरह के एक्सप्लोसिव का इस्तेमाल हुआ था। बता दें कि धमाका रविवार की सुबह लगभग 7 बजकर 40 मिनट पर हुआ था। इसके बाद अफरा-तफरी मच गई थी।

'शुभम लॉजिस्टिक व ऑरिगो के साथ अनुबंध ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निर्णय लिया गया है।

जैसा कि विदित है कि, कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने 16 मई 2024 को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को एक शिकायती पत्र लिखकर इन दोनों कंपनियों को भंडारण निगम में ठेका देने की आड़ में करीब 150 करोड़ रु का घोटाला होना बताया था। किरोड़ीलाल मीणा के आरोप थे कि, यह दोनों कंपनियां पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की करीबी हैं। इन कंपनियों को ठेका देने के लिए राज्य भंडारण निगम के तत्कालीन अफसरों ने कई तरह के नियम-कायदों का उल्लंघन किया। इन कम्पनियों ने 150 करोड़ रु. का घोटाला किया। साथ ही आमजन को वितरित किए जाने वाली खाद्य सामग्री जिसकी कीमत करीब 3000 करोड़ रु. थी। गोदामों में बिना किसी बीमा के ही पटककर रखा। आरोप है कि कंपनियों ने खुद के गोदामों को कृषि उपज से 100 प्रतिशत भरकर रखा और उसका पैसा वसूला। दूसरी ओर भंडारण निगम के गोदाम 15 से 40 प्रतिशत क्षमता के साथ ही भरे गए। ऐसे में भंडारण निगम को करोड़ों रु. का भारी नुकसान हुआ। जबकि निविदा में मूल शर्त यह थी कि दोनों कंपनियां, भंडारण निगम के सभी 71 गोदामों को कम से कम 70 प्रतिशत भरकर रखेंगी, यह कंपनिया इस शर्त को ही पूरा नहीं कर पायी। इससे राज्य सरकार को करीब 250 करोड़ रु. का नुकसान झेलना पड़ा।

सोमवार को हुई बैठक के बाद भंडारण निगम के उच्चाधिकारियों ने कृषि विभाग को पत्र लिखकर इस घोटाले के बारे में विस्तृत जानकारी दी। पत्र में कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा द्वारा 16 मई को शिकायत भेजे जाने के बाद से भंडारण निगम की ओर से क्या-क्या कार्रवाई की गई, इसका जवाब भेजा गया है। पत्र में कहा गया कि भंडारण निगम 3 माह पहले ही अपनी रिपोर्ट कृषि विभाग को भेज चुका है, लेकिन अभी तक यह मामला मुख्य सचिव के संज्ञान में नहीं लाया गया है।

भंडारण निगम ने बताया कि 25 जुलाई और 14 अगस्त 2024 को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को प्राथमिकी दर्ज करने के लिए पत्र लिखा था। जिस पर 16 अगस्त को एंटी करप्शन ब्यूरो (ए.सी.बी.) ने प्राथमिकी दर्ज करके इस प्रकरण की जांच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयपुर निगम प्रथम को सौंपी गई थी। जांच अधिकारी नीरज गुरनानी ने 21 अगस्त व 10 सितंबर को भंडारण निगम से जो-जो कागजात व दस्तावेज मांगे, वे उन्हें सौंप दिये गए हैं। इसके बाद पुन: 29 अगस्त को भंडारण निगम ने कृषि विभाग को पत्र लिखकर अवगत कराया था कि, यह प्रकरण अत्यन्त गंभीर हैं और इसकी जांच ए.सी.बी. के उच्चाधिकारियों और राज्य सरकार की निगरानी में कराई जाए। तत्पश्चात 21 अक्टूबर को पुन: ए.सी.बी. को पत्र लिखकर इस मामले की जांच तुरंत करवाने की मांग की गई। हैरानी की बात है कि भंडारण निगम के पत्र तथा ए.सी.बी. द्वारा 16 अगस्त को प्राथमिकी दर्ज करने के 2 माह बाद भी अभी तक एफ.आई.आर. दर्ज नहीं की गई है। ए.सी.बी. के अधिकारी इस पूरे मामले की जांच के बजाय किसी एक बिंदु पर अटके हुए हैं।

बोर्ड मीटिंग के बाद भंडारण निगम की ओर से ए.सी.बी. महानिदेशक को पत्र लिखकर कहा गया है कि, इस मामले में जांच अधिकारी बदला जाये, क्योंकि अनुसंधान अधिकारी वर्ष 2020 में दोनों कंपनियों के साथ किए गए अनुबंध की जांच के बजाय "वेयर हाऊसिंग मैनेजमेंट सिस्टम" के विश्लेषण पर अटके हुए हैं। जबकि यह कार्यादेश भंडारण निगम ने कभी जारी ही नहीं किया।

भंडारण निगम के अधिकायिों का कहना है कि, इस मामले में जांच अधिकारी ऐसा लगाया जाये, जो कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से प्रभावित हुए बिना निष्पक्ष जांच करें। क्योंकि कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने इस प्रकरण में तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की भूमिका भी संदिग्ध मानते हुए आरोप लगाया था।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:**-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908